लखनऊ

शुक्रवार, 13 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 201

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"दुनिया उसी इंसान को याद रखती है जो कई बार गिरने के बाद भी फिर से उठने का हौसला रखता है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

सिद्धू मूसे वाला को इंसाफ का इंतजार, सर्वोच्च न्यायालय ने हत्या के दो मुख्य आरोपियों को दी जमानत

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाबी गायक और रैपर सिद्धू मूसे वाला की 2022 में हुई सनसनीखेज हत्या में आरोपी पवन बिश्नोई और जगतर सिंह की जमानत मंजूर कर ली है। यह हाई-प्रोफाइल मामला, जिसने लगभग चार साल पहले पूरे देश को झकझोर दिया था, में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। पवन बिश्नोई का प्रतिनिधित्व करते हुए, अधिवक्ता अभय कुमार ने कहा कि आरोप था कि गोल्डी ब्रार ने मेरे मुवक्किल (पवन बिश्नोई) को बोलेरो गाड़ी का इंतजाम करने के लिए बुलाया था और हत्यारों ने सिद्धू मूसे वाला की हत्या करने के लिए उसी बोलेरो का इस्तेमाल किया था। यह भी आरोप था कि वह इस साजिश का हिस्सा थे। सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी है। 29 मई, 2022 को सिद्धू मूसे वाला, जिनका जन्म शुभदीप सिंह सिद्धू के नाम से हुआ था, की पंजाब के मानसा जिले के जवाहरके गांव में दिनदहाड़े बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना राज्य सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा कम किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई। अपनी महिंद्रा थार एसयूवी में दो सहयोगियों के साथ यात्रा कर रहे 28 वर्षीय कलाकार जो '295' जैसे हिट गानों और कांग्रेस में अपनी बढ़ती राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए जाने जाते थे - पर 19 गोलियां चलाई गईं और अस्पताल ले जाते समय कुछ ही मिनटों में उनकी मृत्यु हो गई; उनके साथी घायल अवस्था में बच गए।

देश के कई हिस्सों में आग लगने की घटनाओं ने मचाई अफरा-तफरी, हजारों लोग बेघर

नई दिल्ली। गुरुवार को दिल्ली और गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्निकांड की घटनाओं ने आम जनमानस को दहशत में डाल दिया। हालांकि, राहत एवं बचाव कार्यों द्वारा आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इन हादसों ने हजारों परिवारों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। जहां कई लोग झुलसने के कारण अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, वहीं अनेक परिवारों के सिर से आशियाना छिन गया है। दिल्ली के मटियाला इलाके में देर रात मच्छी मार्केट के पास लगी भीषण आग ने करीब 400 झुग्गियों को राख कर दिया। यह आग रात 11:54 बजे रिपोर्ट की गई थी और 25 फायर टेंडरों की मदद से सुबह 3:25 बजे तक काबू पा लिया गया। इलाके में रहने वाले लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। एक स्थानीय महिला ने बताया, मुझे नहीं पता आग कैसे लगी। मैं उस समय बच्चों के साथ अस्पताल गई हुई थी, मैं यहां नहीं थी। हमारी सारी चीजें जल गईं, सब कुछ खत्म हो गया। हम बहुत गरीब है न हमारे सिर पर अब छत है और न खाने के लिए खाना। एक अन्य महिला ने बताया, इस आगजनी में हमारा सब कुछ जलकर राख हो गया। कुछ भी नहीं बचा है। पता नहीं कौन आग लगाकर चला गया और दमकल की गाड़ियां भी एक घंटे बाद आई, जिससे सब कुछ खत्म हो गया। अब हम सब भूखे-प्यासे पड़े हैं। इसी तरह, दिल्ली के मंसाराम पार्क इलाके में भी बुधवार देर रात अचानक आग लग गई। पीएस बिंदापुर को रात 11:57 बजे इस आग की सूचना मिली। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तेजी से कार्रवाई करते हुए वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

किसी भी सांसदों को नियम से हटकर बोलने का अधिकार नहीं... राहुल गांधी के आरोपों पर ओम बिरला

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के एक दिन बाद स्पीकर ओम बिरला ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सदन नियमों के आधार पर संचालित होता है और किसी को भी नियम विरुद्ध जाकर बोलने का अधिकार नहीं है। जब सदन में मर्यादाएं टूटती हैं तो कठोर फैसले लेने पड़ते हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष और अन्य सांसदों के आरोपों पर बिरला ने कहा, कुछ सदस्यों ने कहा कि नेता रोका जाता है। चाहें सदन में नेता (प्रधानमंत्री) हों या नेता विपक्ष हों। सभी सांसदों को सदन में नियमों के तहत बोलने दिया जाता है। नेता विपक्ष किसी भी विषय पर बोल सकते हैं। ये विशेषाधिकार नहीं है। सदन नियमों से चलता है। सदन में जब भी जनहित के किसी मुद्दे को चाहे पीएम हों या मंत्री उठाना चाहते हों तो नियम 370 के तहत स्पीकर से पूर्व अनुमति लेनी पड़ती है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी लोकसभा में वेस्ट एशिया में चल रहे विवाद के बीच भारत की पूरी एनर्जी सप्लाई की स्थिति पर बयान देंगे, जिससे शिपिंग रूट पर असर पड़ा है। इसी बीच संसद में राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। लोकसभा स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा के बाद अब पूरा विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की तैयारी में जुट गया है। तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष गुरुवार को नोटिस देने की तैयारी कर रहा है, जिस पर लोकसभा के 120 और राज्यसभा के 60 सदस्यों के हस्ताक्षर जुट चुके हैं। विपक्ष का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) में भारी अनियमितताएं हुई हैं और यह मुद्दा आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित कर सकता है। यदि यह प्रस्ताव स्वीकार होता है, तो यह देश में पहली बार होगा जब किसी कार्यरत मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू होगी।

जब मर्यादाएं भंग होती हैं तो कठोर फैसले लेने पड़ते हैं- स्पीकर

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने कहा, मैंने हमेशा ये प्रयास किया कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन और नियमों से चले। जब सांसद मर्यादाएं तोड़ते हैं तो कठोर फैसले लेने पड़ते हैं। सदन में क्या बोलना चाहिए, क्या बोलना चाहिए, इसका ध्यान रखना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था में हमारी अटूट आस्था रही। इसके बाद मैंने इसे स्वीकार करते हुए सदन की कार्यवाही से अलग कर लिया। इस चर्चा के दौरान अनेक विचार अनेक भावनाएं सदन के सामने आई। सदन के अंदर सदस्यों की बात को गंभीरता और ध्यान से सुना। मैं उन्हें समर्थन में विचार रखे हों या आलोचना के रूप में अपने विचार दिए हों सबको धन्यवाद करता हूं। ये आसन किसी व्यक्ति का नहीं ये भारत की लोकतांत्रिक परंपरा, संविधान की भावना और महान परंपरा का प्रतीक है।

लोकसभा में भरपूर हंगामा, TMC की महिला सांसदों ने बजाए बर्तन

लोकसभा में पूरक अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान माहौल अचानक गरम हो गया, जब टीएमसी की महिला सांसद- प्रतिभा मंडल, जून मालिया, महुआ मोइत्रा, सयानी घोष और माला राय सदन के भीतर थाली, कटोरी, फ्राइंग पैन और अन्य बर्तन बजाते हुए विरोध प्रदर्शन करने लगीं। TMC सांसदों का आरोप है कि सरकार महंगाई और LPG संकट पर चर्चा से बच रही है, इसलिए वे यह प्रतीकात्मक विरोध कर रही हैं। सदन में तेज शोर के कारण चर्चा बार-बार बाधित हुई।

लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने बजाए थाली-चम्मच

लोकसभा में पूरक अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान विपक्षी सांसदों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। टीएमसी सांसद फ्राई पैन और चम्मच तक लेकर सदन के भीतर आए और थाली बजाकर महंगाई व गैस संकट का मुद्दा उठाने लगे। इससे सदन में असामान्य शोरगुल पैदा हो गया और कार्यवाही बाधित होती रही। इसी बीच केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष के इस प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'इस समय चुनौतियों का मुकाबला देश को एकजुट होकर करना चाहिए, न कि ऐसी राजनीति करके माहौल बिगाड़ना चाहिए।'

डेटा प्रोटेक्शन कानून को सुप्रीम कोर्ट में क्यों दी गई चुनौती? सीजेआई ने कहा- ये बेहद जरूरी मुद्दा है

नई दिल्ली, एजेंसी। डेटा प्रोटेक्शन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई अहम टिप्पणियां कीं। अदालत ने कहा कि यह बहुत जरूरी मुद्दा है और दुनियाभर में इसे लेकर चिंताएं हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि डेटा तेजी से करंसी का नया रूप लेता जा रहा है।

इस कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि डेटा सुरक्षा से जुड़ा एक वैश्विक मुद्दा है। देश का सारा डेटा विदेश जा रहा है। यह एक बेहद जरूरी मुद्दा है जिसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को चीफ जस्टिस के सामने उठाते हुए सीनियर एडवोकेट इंदिरा जयसिंह ने कहा कि इस कानून में 'निजी और व्यक्तिगत डेटा' की कोई परिभाषा नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि आईटी एक्ट के तहत लोगों को डेटा प्राइवेसी के उल्लंघन के लिए मुआवजा मांगने का अधिकार था। लेकिन अब यह नया एक्ट कहता है कि मुआवजा राज्य को या डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड को दिया जाएगा। ऐसे में यहां डेटा प्रोटेक्शन की निगरानी के लिए कोई ट्रिब्यूनल नहीं है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि इसकी निगरानी की जाएगी। एक अर्ध-न्यायिक बोर्ड होगा और वह न्यायिक समीक्षा के अधीन होगा। सीनियर एडवोकेट इंदिरा जयसिंह ने कहा कि डेटा की संप्रभुता के लिए इस पर भी विचार करना होगा कि क्या डेटा विदेश जा रहा है और उसे कैसे सुरक्षित रखा जा रहा है? उन्होंने कहा कि डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड की भूमिका और डेटा प्राइवेसी के उल्लंघन पर मुआवजे के मुद्दे पर भी विचार करा चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इन याचिकाओं पर सुनवाई करने का भरोसा दिया।

'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब...'

संसद के बाहर विपक्ष का प्रदर्शन, राहुल गांधी ने एलपीजी किल्लत पर सदन में चर्चा के लिए दिया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एलपीजी सिलेंडर की कथित किल्लत को लेकर संसद में गुरुवार को विपक्ष ने सरकार को घेरा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नोटिस दिया, जबकि संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने सिलेंडर संकट को लेकर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में एलपीजी की कमी को लेकर चर्चा कराने के लिए नोटिस दिया। विपक्ष का कहना है कि देश के कई हिस्सों में सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और इस पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और सरकार इस पर जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि सरकार जवाब नहीं देना चाहती। जैसे ही संबंधित मंत्री सदन में आएंगे, सरकार इस मुद्दे पर जवाब देगी।

संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

एलपीजी संकट को लेकर संसद परिसर में राहुल गांधी समेत कई विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसदों ने 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब' जैसे नारे लगाए और सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

प्रधानमंत्री पर राहुल गांधी का हमला

राहुल गांधी ने कहा, 'आम तौर पर प्रक्रिया होती है कि आप बात करने के लिए कह सकते हैं। इसलिए मैंने देश में LPG गैस और तेल की स्थिति के बारे में बयान देने की इजाजत मांगी।।।। लेकिन एक नई प्रक्रिया शुरू हुई है कि पहले मंत्री तय करेंगे, फिर मैं बोलूंगा, फिर मंत्री जवाब देंगे।।। असल में मुख्य बात यह है कि गैस, सारा फ्यूल एक समस्या बनने वाला है क्योंकि असल में हमारी एनर्जी सिक्योरिटी से कॉम्प्रोमाइज किया गया है। गलत विदेश नीति ने यह समस्या पैदा की है।... अब हमें तैयारी करनी होगी। हमारे पास अभी भी थोड़ा समय बचा है।' उन्होंने आगे कहा,₹सरकार और प्रधानमंत्री को तुरंत तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, नहीं तो करोड़ों लोगों को बहुत बड़ा नुकसान होगा।।।हम एक अस्थिर समय में जा रहे हैं। इस दौरान आपको अपनी सोच बदलनी होगी। मैं सरकार को यह सुझाव दे रहा हूं कि अब उन्हें गहराई से सोचना शुरू करना होगा और यह पक्का करना होगा कि हमारे लोगों को भारी नुकसान न हो।

खुद पर हुए हमले के बाद सामने आए फारूक अब्दुल्ला, बोले- अल्लाह का शुक्र है

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि उन पर हुए हमले के बाद यूनियन होम मिनिस्टर अमित शाह ने उनका हालचाल जानने के लिए उन्हें फोन किया था और भरोसा दिलाया था कि मामले की जांच की जाएगी।

फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं शादी समारोह स्थल से बाहर निकल रहा था, तभी मैंने पटाखे की आवाज सुनी। तुरंत, मुझे एक कार में ले जाया गया। बाद में, मुझे बताया गया कि एक आदमी पिस्तौल के साथ था जिसने दो गोलियां चलाईं। न तो मैं इस आदमी (आरोपी) को जानता हूं, और न ही मुझे उसके बारे में कोई जानकारी है।'

पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) और स्थानीय पुलिस के जवानों द्वारा अपनी जान जोखिम में डालकर उन्हें बचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके बचाव में जवानों ने जो किया, उसके लिए उनके पास व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस शादी समारोह में कई महत्वपूर्ण हस्तियां मौजूद थीं, लेकिन उस समय कोई पुलिसकर्मी तैनात नहीं था।

जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री के बीच तीन बार हुई बात, एमईए ने बताया किस मुद्दे पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'विदेश मंत्री डॉ। एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाल के दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। पिछली बातचीत में जहाजों की सुरक्षा और भारत की एनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े मुद्दों पर बात हुई थी। इसके अलावा, मेरे लिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।' रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत सरकार मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीयों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम उन भारतीय नागरिकों की भी मदद कर रहे हैं जो अजरबैजान और आर्मेनिया जाना चाहते हैं और वहां से कमर्शियल फ्लाइट लेकर घर लौटना चाहते हैं। हम उन्हें वीजा दिलाने में मदद कर रहे हैं। हम उन्हें जमीनी बॉर्डर पार करने में भी मदद कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक थे या हैं। इन 9,000 भारतीय नागरिकों में स्टूडेंट, नाविक, बिजनेस करने वाले, प्रोफेशनल और कुछ टूरिस्ट शामिल हैं। कई भारतीय नागरिक, जिनमें ज्यादातर स्टूडेंट हैं, देश छोड़कर घर पहुंच गए। हमने तेहरान में मौजूद कई भारतीय नागरिकों को देश के दूसरे सुरक्षित जगहों और शहरों में शिफ्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मौके पर उन सभी भारतीय नागरिकों को सलाह देना चाहूंगा जो जमीनी बॉर्डर के रास्ते ईरान छोड़ना चाहते हैं। उन्हें हमारी एम्बेसी की जारी की गई एडवाइजरी का पालन करना चाहिए।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि भारत रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का एक बड़ा एक्सपोर्टर है। हमें बांग्लादेश सरकार से डीजल की सप्लाई के लिए एक रिक्वेस्ट मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। यह बताना जरूरी है कि बांग्लादेश को डीजल एक्सपोर्ट 2017 से काफी हद तक जारी है, लेकिन फैसले लेते समय भारत की रिफाइनिंग कैपेसिटी, हमारी अपनी जरूरतें और डीजल की अवेलेबिलिटी को ध्यान में रखा जाएगा।

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर आंकड़ों से वार, कहा- बिहार हर विकास सूचकांकों में फेल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में राज्य ने सभी विकास सूचकांकों पर सबसे खराब प्रदर्शन किया है। तेजस्वी का यह हमला ऐसे समय में आया है जब नीतीश कुमार अपनी 'समृद्धि यात्रा' पर हैं और आरजेडी के शासनकाल के 'जंगल राज' के विपरीत अपने शासनकाल में हुए बिहार के विकास की बात कर रहे हैं।

नीतीश और उनकी सरकार पर हमला करते हुए तेजस्वी ने 'X' पर लिखा कि बिहार एक अनूठा और अद्वितीय राज्य है जहां एनडीए की दो इंजन वाली सरकार दशकों से सत्ता में है, फिर भी यह देश का सबसे गरीब राज्य है, जहां देश में सबसे अधिक पलायन, सबसे अधिक अपराध, सबसे अधिक भ्रष्टाचार, सबसे अधिक बेरोजगारी, सबसे अधिक बहुआयामी गरीबी और साथ ही देश में सबसे अधिक स्कूली शिक्षा छोड़ने की दर है।

उन्होंने आगे कहा कि दूसरी ओर, बिहार में देश में सबसे कम साक्षरता दर, सबसे कम प्रति व्यक्ति आय, सबसे कम किसानों की आय, सबसे कम प्रति व्यक्ति निवेश, सबसे कम प्रति व्यक्ति उपभोग, सबसे कम कंप्यूटर साक्षरता, सबसे कम बिजली की खपत, सबसे कम बुनियादी ढांचा, सबसे कम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सबसे कम औद्योगिक इकाइयां और स्कूलों में कंप्यूटर और आईसीटी प्रयोगशालाओं की सबसे कम संख्या है।

एलपीजी संकट पर विपक्ष का हंगामा, कंगना रनौत बोलीं- ये जनता को गुमराह करने की साजिश है

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कथित एलपीजी संकट से देश को उसी तरह निकालेंगे जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान निकाला था। रनौत ने एलपीजी सिलेंडर संकट पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला। कंगना रनौत ने कहा कि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व देख रही है। दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन हमारे देश में हर दिन नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। एलपीजी की स्थिति को लेकर पूर्ण आश्वासन दिया गया है, लेकिन वे (विपक्ष) दहशत फैलाने और जनता को गुमराह करने के लिए यह (विरोध प्रदर्शन) कर रहे हैं। जनता को प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा रखना चाहिए, जो कोविड महामारी के दौरान की तरह ही नेतृत्व करेंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को संसद परिसर में एलपीजी गैस सिलेंडरों की देशव्यापी कमी की खबरों के विरोध में अपना प्रदर्शन जारी रखा। भारत गठबंधन के नेताओं ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच एलपीजी की कथित कमी पर चर्चा की मांग की है। एलपीजी की कमी का संकट देश के कई हिस्सों में भी व्याप्त है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को संसद में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कमी की खबरों पर चर्चा करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि संसद जनता को आश्वस्त करने और ऐसे महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने का मंच है।

ऐसे मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। सरकार को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। आप जानते हैं कि एलपीजी सिलेंडर के लिए कितनी लंबी लाइनें लगती हैं... कुछ रेस्तरां ने कहा है कि उनके पास खाना पकाने के लिए गैस नहीं है, वे चाय तो दे सकते हैं, लेकिन डोसा नहीं। क्या देश में अभी यही स्थिति है? आप जानते हैं कि कीमतें बढ़ गई हैं। यह एक ऐसा मंच है जहां हम इन सभी मुद्दों को जनता के सामने रख सकते हैं। हम बस इतना चाहते हैं कि इस पर चर्चा हो और सरकार जनता को आश्वासन दे। ऐसा नहीं हो सकता कि वे मनमानी से सरकार चलाएं।

थरूर ने मणिशंकर अय्यर को लिखा खुला खत, बताया विदेश नीति को लेकर क्या है उनकी राजनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी के अंदर मतभेद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। हाल ही में सीनियर कांग्रेस नेता मणि शंकर अय्यर ने लोकसभा सांसद और संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर की विदेश नीति पर टिप्पणियों और उनके चरित्र पर सवाल उठाते हुए एक खुला पत्र लिखा था। यह पत्र फ्रंटलाइन मैगजीन में छपा, जिसमें अय्यर ने थरूर के अमेरिका-इजराइल के साथ संबंधों, ईरान युद्ध पर उनके प्रैग्मेटिक रुख को 'might is right' की नीति और नैतिक समझौता बताते हुए आलोचना की थी। अब थरूर ने इसका खुला जवाब दिया है।

अय्यर ने थरूर पर नेहरूवादी नॉन-अलाइनमेंट और गांधीवादी सिद्धांतों से दूर होने का आरोप लगाया, साथ ही उनके विचारों को अमोरल और ट्रांजेक्शनल बताया इस पत्र के जवाब में शशि थरूर ने अब एक बड़ा खुला पत्र लिखा है। जिसका शीर्षक है, "असहमति और लोकतंत्र पर मणि शंकर अय्यर के नाम एक खुला पत्र"।

थरूर ने इसमें लोकतंत्र में असहमति की अहमियत बताते हुए कहा कि अलग राय रखना गलत नहीं, लेकिन किसी की नीयत, देशभक्ति या चरित्र पर सवाल उठाना अनुचित है। थरूर ने अपने पत्र में कई बिंदुओं को उठाए, उन्होंने हमेशा भारत के राष्ट्रीय हित, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक सम्मान को प्राथमिकता दी है। विदेश नीति में सिद्धांत और व्यावहारिकता का संतुलन जरूरी है, जो नेहरू की नॉन-अलाइनमेंट से लेकर आज की मल्टी-अलाइनमेंट डिप्लोमेसी तक रहा है।

थरूर ने अपने पत्र में लिखा, "मोरल सरेंडर" नहीं, बल्कि जिम्मेदार स्टेटक्राफ्ट है कि यथार्थ को समझा जाए। उदाहरण देते हुए उन्होंने सोवियत यूनियन के साथ रिश्तों के दौरान हंगरी, चेकोस्लोवाकिया और अफगानिस्तान जैसे मामलों में भारत के संतुलित रुख का जिक्र किया। खाड़ी देशों से जुड़े हितों पर कोई फैसला लेते हुए (200 अरब डॉलर व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, 90 लाख भारतीय कामगार) को ध्यान में रखना जरूरी बताया। हाल के इंडियन एक्सप्रेस लेख का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने ईरान युद्ध को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया और इसे तुरंत खत्म करने की मांग की, लेकिन अमेरिका से जुड़े हितों को खतरे में डालना समझदारी नहीं।

नजूल ज़मीन पर नक्शा पास का खेल

सुल्तानपुर। नगर में इन दिनों नजूल ज़मीनों पर निर्माण का खेल ज़ोरों पर है। हैरानी की बात यह है कि जिन ज़मीनों पर नियमों के अनुसार नक्शा पास ही नहीं हो सकता वहीं नक्शा जमा कर एसडीएम और जेई की स्वीकृति लेकर धड़ल्ले से निर्माण खड़ा किया जा रहा है। सूत्रों की पुख्ता मानें तो इस नक्शा पास की कहानी में काग़ज़ कम और सौदे ज़्यादा चल रहे हैं। कहा जा रहा है कि मोटा लेन-देन होने के बाद ही ये निर्माण इतने बेख़ौफ़ अंदाज़ में आगे बढ़ रहे हैं। गोपालदास पुल के निकट, यशराज ज्वेलर्स के बगल और रुद्रनगर क्षेत्र में चल रहे कुछ निर्माण खास तौर पर संदेह के घेरे में बताए जा रहे हैं। सवाल यह है कि जब नियम साफ कहते हैं कि नजूल ज़मीन पर नक्शा पास नहीं हो सकता तो फिर ये मंजूरी किस जादुई कलम से मिल गई? इस पूरे मामले में एसडीएम और जेई की रहस्यमयी चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है।

पीलीभीत में सिलिंडर लेकर एजेंसी की दौड़ लगा रहे उपभोक्ता, ओटीपी में अटकी रसोई गैस

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत जिले में भले ही रसोई गैस की किल्लत न होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन उपभोक्ताओं को सिलिंडर के लिए गैस एजेंसी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। घंटों इंतजार के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहा। ऑनलाइन बुकिंग में आ रही दिक्कत और ओटीपी न आने से उपभोक्ताओं को भटकना पड़ रहा है। यह हाल शहर, जहानाबाद, बीसलपुर, पूरनपुर आदि सभी कस्बों में है।

बृहस्पतिवार को जहानाबाद की एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ी। काफी देर इंतजार के बाद भी गैस सिलिंडर नहीं मिला। उपभोक्ताओं ने बताया कि बुकिंग का

ओटीपी ही नहीं आ रहा है। इस वजह से सिलिंडर नहीं मिल रहा। गौरतलब है कि जिले में घरेलू गैस के चार लाख से अधिक उपभोक्ता हैं। वहीं कमर्शियल के उपभोक्ताओं की संख्या 600 से अधिक हैं।

अफसर कह रहे जल्द ठीक होगा नेटवर्क

बीसलपुर में सिलिंडरों की कालाबाजारी करने वाले कुछ लोगों ने गैस की किल्लत का अनुचित लाभ उठाते हुए गैस के सिलिंडर ब्लैक में बेचे हैं। इस बाबत क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मनोज शर्मा ने बताया कि नेटवर्क की खराबी ऊपर से ही है। उम्मीद है कि बहुत जल्द नेटवर्क सही हो जाएगा। इसके बाद रसोई गैस की बुकिंग होने लगेगी और उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर मिलने लगेंगे।

जिले में इतनी एजेंसी और इतने हैं उपभोक्ता

39 गैस एजेंसी है जिले में

06 से अधिक गैस एजेंसी शहर में संचालित हैं।

4.68 लाख घरेलू गैस उपभोक्ता हैं।

678 कामर्शियल गैस उपभोक्ता हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि जिले में घरेलू गैस सिलिंडर की किसी तरह की किल्लत नहीं है। वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए उपभोक्ताओं को ओटीपी के जरिये ही गैस वितरित की जा रही है। बुकिंग में समस्या का पता नहीं चला। 25 दिन बाद दूसरे सिलिंडर की बुकिंग हो रही है। घरेलू गैस सिलिंडर का व्यावसायिक उपयोग मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

गैस सिलिंडर की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों और संभावित अव्यवस्था को देखते हुए पुलिस और प्रशासन सतर्क हो गया है। बुधवार को पुलिस लाइन में एएसपी विक्रम दहिया ने गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक की। अफसरों ने कहा कि गैस सिलिंडर की किल्लत संबंधी अफवाहें फैल रही हैं। इसे लेकर शासन स्तर पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

एएसपी ने संचालकों से कहा कि वे प्रतिदिन गैस सिलिंडरों की रिफिल और उपलब्ध स्टॉक की जानकारी रखें। उपभोक्ताओं को नियमानुसार केवल ओटीपी के माध्यम से ही सिलिंडर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही एजेंसी से जुड़े सभी हॉकरों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि वे कालाबाजारी, घटतौली या अवैध रिफिलिंग जैसी गतिविधियों में शामिल न हों। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

एक जमीन, दो शपथ पत्र! एसडीएम कोर्ट ने पूछा आखिर सच कौन सा?

सुल्तानपुर। जिले के एसडीएम सदर न्यायालय में एक दिलचस्प मामला सामने आया है जहां एक ही प्रकरण में दो अलग-अलग शपथ पत्र दाखिल होने से सवाल खड़े हो गए हैं। मामला पूर्व कोषाधिकारी आत्माराम मिश्रा के पुत्र पशुपतिनाथ मिश्रा से जुड़ा है जिनसे कोड ने एक हफ्ते के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। दरअसल वर्ष 1997 में स्वीकृत भवन मानचित्र संख्या 292/97 के साथ दिए गए शपथ पत्र में भूखंड का क्षेत्रफल 126.48 वर्ग मीटर बताया गया था। लेकिन समय का पहिया घूमते-घूमते जब मामला 22 जुलाई 2023 को नए मानचित्र संख्या 392/23 तक पहुंचा तो उसी जमीन का क्षेत्रफल बढ़कर 157.20 वर्ग मीटर हो गया। अब सवाल यह है कि आखिर जमीन बढ़ी, नाप बदल गई या फिर शपथ पत्र की स्याही ने ही चमत्कार कर दिया? यही पहेली सुलझाने के लिए कोड सदर ने पशुपतिनाथ मिश्रा से एक सप्ताह के भीतर स्पष्ट जवाब मांगा है।

करौदीकला–रवनिया मार्ग निर्माण में अनियमितता का आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। करौदीकला से रवनिया तक बनने वाले सड़क मार्ग के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस मार्ग के निर्माण हेतु सरकार द्वारा कई करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए तथा भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन सड़क का निर्माण कार्य अभी तक पूर्ण नहीं कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क कई स्थानों पर अधूरी छोड़ दी गई है तथा जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खराब सड़क के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होने की भी शिकायत सामने आ रही है, जिससे स्थानीय जनता में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का भी अभाव दिखाई दे रहा है और कई स्थानों पर सड़क की हालत अत्यंत दयनीय बनी हुई है। लोगों ने मांग की है कि शासन और संबंधित विभाग इस मामले का संज्ञान लेकर सड़क निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराए तथा दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित करे। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि सड़क मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसका शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाना आवश्यक है, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

गैस किल्लत की खबरों के बीच वेस्ट यूपी में एजेंसियों पर उमड़ी भीड़, सुबह से लगी लंबी कतारें

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। इस्त्रायल व ईरान युद्ध के कारण गैस की किल्लत की खबरों के बीच के उपभोक्ता परेशान है। सहारनपुर में एलपीजी उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ गई है। शहर की गैस एजेंसियों पर सुबह से ही लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं। उपभोक्ता सिलिंडर रिफिल कराने के लिए एजेंसियों पर पहुंच रहे हैं, जिससे वहां भीड़ का माहौल बन गया है। वहीं मेरठ में गैस बुकिंग को लेकर पासी गैस सर्विस पर भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान लोगों ने हंगामा कर दिया।

सहारनपुर जिला प्रशासन का दावा है कि जिले में गैस की पर्याप्त आपूर्ति और स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन इसके बावजूद लोग संभावित कमी की आशंका के चलते सिलिंडर भरवाने के लिए एजेंसियों का रुख कर रहे हैं।

सुबह आठ बजे से लग रही कतार

गैस एजेंसियों के बाहर सुबह करीब आठ बजे से ही उपभोक्ताओं की लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं। कई उपभोक्ता घंटों इंतजार करने के बाद भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि गैस खत्म होने की आशंका के कारण वे पहले ही सिलिंडर रिफिल कराने के लिए पहुंच रहे हैं।

बुकिंग नंबर न लगने से बढ़ी परेशानी

उपभोक्ताओं के अनुसार गैस एजेंसियों द्वारा दिए गए बुकिंग नंबर पर सिलिंडर बुक नहीं हो पा रहा है। इसके चलते उन्हें बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि बुकिंग प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कतों के कारण परेशानी और बढ़ गई है। ऐसे में उपभोक्ता सीधे एजेंसी पहुंचकर सिलिंडर रिफिल कराने की कोशिश कर रहे हैं।

मेरठ में गैस बुकिंग को लेकर पासी गैस सर्विस पर उमड़ी भीड़, हुआ हंगामा

मेरठ के बॉम्बे बाजार स्थित पासी गैस सर्विस पर गैस सिलिंडर की बुकिंग कराने के लिए उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लंबा इंतजार और अव्यवस्था के चलते मौके पर हंगामा भी हो गया। बताया जा रहा है कि गैस बुकिंग और सिलिंडर की आपूर्ति में देरी के कारण बड़ी संख्या में उपभोक्ता एजेंसी पर पहुंच गए। भीड़ बढ़ने से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों ने नाराजगी जताई। स्थिति को संभालने के लिए एजेंसी कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं को समझाने का प्रयास किया। गैस बुकिंग और सिलिंडर आपूर्ति को लेकर लोगों में काफी चिंता देखी गई।

सुल्तानपुर की कवियत्री डॉ निरुपमा को शिकोहाबाद में मिला सम्मान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। साहित्य-संगीत-कला को समर्पित संस्था शब्दम् ने 11 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद में बजाज इले.लि. आवासीय परिसर स्थित संस्कृति भवन सभागार में महिला सम्मान समारोह एवं काव्य पाठ का आयोजन किया। आपको बता दें इस समारोह में सुल्तानपुर की कवियत्री डॉ निरुपमा श्रीवास्तव ने अवधी भाषा मे एकल काव्यपाठ किया,अवधी भाषा में उनके योगदान हेतु उन्हें सम्मानित भी किया गया ।

डॉ. निरुपमा श्रीवास्तव ने अपने काव्य पाठ में 'दुख जौ न होये जीवन मा सुख कै परिभाषा का होए,सरबस जौ पूरी रहा बोला कौनो अभिलाषा का होए। मावस बिन पूरनमासी के अस्तित्व रहे का यहि जग मा, जौ रात न होने अधियारी तौ चमके चांद कहा नभ मा..' सुनाकर लोगों को अवधी भाषा से जोड़ दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं अध्यक्षता कर रहे डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सनातन संस्कृति नारी को पुरुष की तुलना में अत्यधिक सम्मान दिया गया है! ''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सवास्तत्राफलाः क्रिया।।'' अर्थात जहां नारी को पूजा जाता है वहां देवता निवास करते हैं और जहां नहीं पूजा जाता वहां सारी शुभ क्रिया असफल हो जाती है। वर्ष में दो बार नवरात्र में बेटियों का पूजन, और राम से पूर्व सीता,कृष्ण से पूर्व राधा,शंकर से पूर्व गौरी का नाम लिया जाता है। जन्मदात्री माता के साथ पशुओं,नदियों, ग्रन्थों और धरती को भी क्रमशः गौ,गंगा और भारत माता कहा गया है। भारतीय संस्कृति में मातृसत्ता सदैव पूज्य रही है। गार्गी, अपाला, घोषा, अरूंधति आदि नारियां वेदों की ऋषिकाओं में वंदनीय हैं।

मां ने ही कर दी अपने चार माह के बेटे की हत्या, पति से झगड़े के बाद उठाया खौफनाक कदम

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। गंगापार इलाके के सरायममरेज थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि एक मां ने चार माह के बेटे ईश्वर की हत्या कर दी है। घटना पिलखिनी गांव की बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पिलखिनी गांव के पूरे जयसिंह निवासी संतोष यादव खेती बारी और मजदूरी करता है। उसकी शादी मनोरमा यादव से हुई है। दोनों को चार माह का एक बच्चा ईश्वर है। बताया जाता है पति-पत्नी में आए दिन खाना बनाने और अन्य बातों को लेकर विवाद होता रहता है। पिछले तीन चार दिनों से लगातार दोनों में झगड़ा चल रहा था। पुलिस के अनुसार पति से झगड़े के बाद अनुराधा ने अपने बेटे ईश्वर (4 माह) की घर में ही सिर पर ईंट से मारकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को रसोई घर में रखे लकड़ी के ढेर में छिपा दिया। इसके बाद अपने काम में जुट गई।

काफी देर तक बच्चे को न देखकर पति और परिवार के अन्य लोग परेशान थे। पूछने पर मनोरमा कुछ बता भी नहीं रही थी। परेशान परिजनों ने जब काफी दबाव डाला तो बुधवार रात्रि करीब 10 बजे महिला ने बेटे की हत्या की बात बताई। इसके बाद परिजनों ने शव को निकाला। सूचना पाकर सुबह पुलिस पहुंच गई। बताया जाता है कि महिला के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने की एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना को लेकर पूरे इलाके में चर्चा है। एसीपी हंडिया ने बताया कि आरोपी महिला का मानसिक संतुलन ठीक नहीं लग रहा है। इसके विरुद्ध एफआईआर लिखकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण ने निकला रैली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जनपद में वृहद प्रचार प्रसार हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्रचार वाहन के साथ मोटर साइकिल रैली को जिला जज सुनील कुमार ने दीवानी परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुक्ता त्यागी ने बताया कि 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने व जिले के लोगों को जागरूक करने के लिए रैली का आयोजन किया गया जिसमें पैरा लीगल वाईलेंटियरो ने मोटर साइकिल से नगर में राष्ट्रीय लोक अदालत के पंपलेट लगाएं वाहन लेकर नगर में निकले। इस दौरान जनमानस में राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए और बताया कि 14 मार्च को आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मुकदमों के निपटारे हेतु वाद को संबंधित न्यायालय से मिलकर लगवाए जिससे समय से निपटारा किया जा सके। इस अवसर पर इस समस्त न्यायिक अधिकारी गण भी मौजूद रहे।

फर्जी आईएएस गिरफ्तार, शराब पीकर हंगामा कर रहा था, पुलिस ने धर दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के नौचंदी थाना क्षेत्र में पुलिस ने खुद को आईएएस अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राहुल कौशिक के रूप में हुई है, जो शराब के नशे में हंगामा कर रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि वह फर्जी तरीके से खुद को 2008 बैच का आईएएस अधिकारी बताता था।

घर के बाहर लगी थी आईएएस की नेम प्लेट

पुलिस के अनुसार राहुल कौशिक ने अपने घर के बाहर आईएएस लिखी हुई नेम प्लेट लगा रखी थी। वह लोगों के बीच खुद को प्रशासनिक अधिकारी बताकर पहचान बनाता था। इलाके में भी कई लोगों को उसने खुद को आईएएस अधिकारी बताया हुआ था। शराब के नशे में हंगामा करने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया।

पहले भी लग चुके हैं गंभीर आरोप

जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 में एक किशोरी ने राहुल कौशिक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस अब उसके पिछले रिकॉर्ड और अन्य मामलों की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आईएसआई एजेंट युवती का प्रेम जाल : इसलिए आदर्श बना देश का दुश्मन, देने लगा खुफिया जानकारी, बस एक गलती और खेल खत्म

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। फेसबुक पर आईएसआई हैंडलर युवती के जाल में फंसकर कागारौल के चीतपुर गांव के रहने वाले आदर्श उर्फ लकी ने नौसेना से संबंधित गोपनीय सूचनाओं को लीक किया था। दोस्ती के बाद व्हाट्सएप और मैसेंजर के माध्यम से वॉइस और वीडियो कॉल करता था। सूचनाएं देने के लिए खाते में रकम लेता था। इससे वह अपने शौक पूरे कर रहा था। आईएसआई हैंडलर के बारे में जानकारी मिलने के बाद 2 साल से एटीएस नौसेना के आरोपी जवान के बारे में गोपनीय जानकारी जुटा रही थी। शादी के बाद हनीमून के लिए वह दुबई गया था। वहां से लौटने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। केरल के कोच्चि में नेवल के दक्षिण कमांड में तैनात आरोपी आदर्श को सोमवार को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार

किया था। उसे लखनऊ कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। उसने आईएसआई के हैंडलर को युद्धपोत की तस्वीर और लोकेशन भेजी थीं।

एटीएस के सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने हैंडलर के रूप में कई युवतियों को एजेंट बना रखा है। उनके फेसबुक पर फर्जी नाम और पते से आईडी हैं। इनके माध्यम से सेना से जुड़े लोगों को जाल में फंसाया जाता है। उनकी फोटो भी उपलब्ध होती है। पाकिस्तानी एजेंट युवती सैन्य कर्मियों के संपर्क में आकर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजती हैं।

सामान्य बातचीत से शुरू हुआ सिलसिला खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान में बदल जाता है। इसके लिए हैंडलर दो तरीके अपनाती हैं। एक तो संबंधित कर्मचारियों से प्यार भरी बातें करती हैं। हनी ट्रैप में लेकर अश्लील वीडियो काल भी करती हैं। कई बार जाल में फंसे व्यक्ति को ब्लैकमेल कर जानकारी हासिल की जाती है।

पाकिस्तान से चलता है हनी ट्रैप गैंग

एक साल पहले फिरोजाबाद की ऑर्डिनेंस फैक्टरी के चार्जमैन रविंदर को एटीएस ने गिरफ्तार किया था। उस पर भी गोपनीय सूचनाओं लीक करने का आरोप था। उसे नेहा शर्मा नाम की हैंडलर ने फेसबुक पर अपने जाल में फंसाया था। ऑर्डिनेंस फैक्टरी में उस समय गगनयान से संबंधित उपकरण तैयार किया जा रहे थे।

तीन साल से हनी ट्रैप का शिकार बन रहा था नौसेना का जवान

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले भारतीय नौसेना के जवान आदर्श कुमार उर्फ लकी तीन साल पहले हनी ट्रैप का शिकार बना था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर आईएसआई के हैंडलर ने आशी नामक महिला की आईडी बनाकर उसे फंसाया था। इसके बाद उससे व्हाट्सएप पर भी दोस्ती गांठी और उसका भरोसा जीतने के बाद युद्ध पोतों की तस्वीरें भेजने को कहा। तस्वीरें भेजने के बाद उसके बैंक खाते में कई बार में हजारों रुपये भेजे गए।

एटीएस को अंदेशा है कि आदर्श की तरह कुछ अन्य नौसैनिकों को भी आईएसआई ने हनी ट्रैप का शिकार बनाया है, जिसकी गहनता से छानबीन की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक आदर्श ने वर्ष 2021 में नौसेना में नौकरी हासिल की थी। इसके बाद उसकी तैनाती केरल के कोच्चि में दक्षिण नेवल कमांड में हुई थी।

सोशल मीडिया पर उसकी गतिविधियां संदिग्ध होने पर खुफिया एजेंसियों ने निगरानी शुरू कर दी, जिसके बाद एटीएस को छानबीन करने को कहा गया। एटीएस ने उसके सोशल मीडिया अकाउंट आदि खंगालने शुरू किए तो आईएसआई को सामरिक महत्व की सूचनाएं देने की पुष्टि हो गई। इस बीच आदर्श विवाह के लिए छुट्टी पर अपने घर आगरा आया और हनीमून के लिए दुबई गया था। वहां से लौटने पर एटीएस ने मंगलवार को उसे आगरा से पकड़ लिया। अब उससे रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी है।

केश कुमारी की छात्राओं का एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट संपन्न

सुल्तानपुर। पीएम श्री केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर की छात्राओं को शैक्षिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट पर आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या ले जाया गया। जिला समन्वयक अखिलेश कुमार पांडे समग्र शिक्षा सुल्तानपुर एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या पल्लवी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर अध्ययन यात्रा को रवाना किया। अध्ययन यात्रा प्रभारी डॉ दीपा द्विवेदी, सह यात्रा प्रभारी अंजना सिंह, डॉ बबिता जैन, सीमा यादव, शालिनी सिंह, साधना त्रिपाठी, पुष्प लता, सुमन, खुशबू मौर्या, विमला शर्मा, अलका सिंह, लाल चन्द्र यादव एवं रुक्मिणी छात्राओं के साथ उनकी देखरेख में गईं। इस अवसर पर छात्राओं ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि अनुसंधान केंद्रों, प्रयोगशालाओं तथा फसलों के प्रायोगिक खेतों का अवलोकन किया।

आज आधी आबादी राष्ट्र को दे रही नई दिशा : मुकेश कुमार शर्मा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य परिचर्चा आयोजित

» अवध गर्ल्स डिग्री कालेज व पी.एस.आई इंडिया के तत्वावधान में आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को अवध गर्ल्स डिग्री कालेज के सभागार में 'आधी आबादी को दें बेहतर सेहत का उपहार' विषय पर स्वास्थ्य परिचर्चा आयोजित की गयी। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी. एस. आई. इंडिया) के सहयोग से आयोजित परिचर्चा की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. बीना राय ने किया। सभागार में सैकड़ों की तादाद में मौजूद छात्राओं और शिक्षिकाओं को चिकित्सकों ने स्वस्थ रहने के जरूरी टिप्स दिए ताकि उनके हौसलों को उड़ान मिल सके और वह सुनहरे भविष्य निर्माण के लिए संजोए सपनों को साकार कर सकें।

पी.एस.आई. इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश शर्मा ने कहा कि नारी उत्थान के लिए किये गए तमाम प्रयासों का ही नतीजा है कि आज आधी आबादी राष्ट्र को एक नई दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सभागार में इतनी बड़ी तादाद में मौजूद बच्चे अपने सुनहरे भविष्य और ऊँची उड़ान के लिए न जाने कितने सपने बुने होंगे, जिन्हें बेहतर स्वास्थ्य के बल पर ही साकार किया जा सकता है। जीवन में लांग टर्म खुश रहने और सफलता के लिए जरूरी है कि अपना रूटीन सुधारें, टाइम मैनेजमेंट पर ध्यान दें, योग और ध्यान को अपनाएँ, समय पर खाने-पीने, पढ़ने और आराम करने का रूटीन बनायें।

वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति बाजपेयी ने कहा कि पूरी आबादी की जननी महिला ही है। वह पूरे परिवार की ताकत होती है, इसलिए उनके स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना परिवार की भी बड़ी जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के बारे में छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए इस समय 14 साल तक की बच्चियों को मुफ्त में लगाई जा रही एच.पी. वी. वैक्सीन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन दोनों कैंसर की वजह से हर साल बड़ी संख्या में महिलाएं दम तोड़ देती हैं जबकि वैक्सीन, स्क्रीनिंग व जाँच से बचाव संभव है।

वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिखा श्रीवास्तव ने स्वस्थ निर्णय लेने के लिए स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं जीवन में कई तरह के शारीरिक बदलावों के दौर से गुजरती हैं, जैसे- मासिक धर्म, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि। इसके लक्षणों और बचाव के बारे में पहले ही उन्हें जागरूक करना बेहतर होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग व व्यायाम को अपनाने पर भी जोर दिया।

एसजी पीजीआई की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्य ने बहुत ही रोचक अंदाज में प्यासे कौवे और मगरमच्छ-खरगोश की कहानियों के आधार पर छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के गुरु मन्त्र दिए । उन्होंने कहा कि जीवन में कामयाब होने के लिए आत्मजागरूकता, सहानुभूति, रचनात्मक सोच, प्रभावी संवाद, तनाव से दूरी आदि बहुत जरूरी है। इस मौके पर केजीएमयू के क्वीन मेरी की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता देव ने कहा कि इंटरनेट या सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर देखकर मिलते-जुलते लक्षणों के आधार पर मेडिकल स्टोर से दवा लेकर सेवन करना घातक हो सकता है। इसलिए प्रशिक्षित और अनुभवी चिकित्सकों की सलाह पर ही दवाओं का सेवन करना चाहिए।

आकाशवाणी लखनऊ की डायरेक्टर प्रोग्राम्स सुमोना एस. पाण्डेय ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य ही जीवन की असली पूंजी है। इसी के बल पर हम समस्त सांसारिक सुखों का आनंद ले सकते हैं। अपने अध्यक्षीय भाषण में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. बीना राय ने कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यक्रम छात्राओं के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होते हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आज सभागार से संकल्प लेकर निकलें कि चिकित्सकों के इतने ख्यातिलब्ध पैनल ने जो जानकारियां और सुझाव दिए हैं, उनको जीवन में अवश्य अपनाएंगी। उन्होंने आयोजन के लिए पी. एस. आई इंडिया के प्रति आभार भी जताया। इस मौके पर खुले सत्र में छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं और सवालों को पैनल के सामने रखा, जिसका चिकित्सकों ने सटीक जवाब दिया। पी. एस. आई. इंडिया के स्टेट लीड अमित कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सीमा अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पी. एस. आई. इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर समरेन्द्र बेहरा, दिनेश पाण्डेय, अनिल द्विवेदी, पारुल, प्रवीण दीक्षित, धर्मेन्द्र सिंह, हर्षिता आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के अयोध्या आगमन की सभी तैयारियां समय से की जाएं पूर्ण : सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राष्ट्रपति के आगमन व रामनवमी की तैयारियों की समीक्षा की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन तथा रामनवमी की तैयारियों को लेकर गुरुवार को समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में तैयारियों का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने पीएफसी स्थित सभाकक्ष में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों व पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित आगमन के दृष्टिगत सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें एयरपोर्ट पर स्वागत, यात्रा मार्ग पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा अतिथियों के लिए आवश्यक प्रबंध शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता तथा आगंतुकों के लिए सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पूज्य संतों समेत अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों के लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि प्रशासन व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी समन्वय के साथ सभी तैयारियों को निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करें। सीएम ने पुलिस अधिकारियों को सभी सार्वजनिक स्थानों पर कड़ी निगरानी व ठोस सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने, खुफिया तंत्र व एंटी-ड्रोन कंट्रोल रूम को अलर्ट रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी के अवसर पर अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा फुटपाथों को खाली रखा जाए, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की समस्या न हो। सीएम योगी ने भीड़ नियंत्रण के लिए प्रभावी व्यवस्था करने तथा दर्शन-पूजन कार्यक्रम को स्क्रीन के माध्यम से भी प्रसारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रामनवमी प्रमुख पर्व है, इस अवसर पर अयोध्या धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध एवं देशविरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर में बिना जांच के किसी को भी प्रवेश न दिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में रामनवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लता मंगेशकर चौक से हनुमानगढ़ी तक गोल्फ कार्ट संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें ज्यादा पैदल न चलना पड़े। सीएम ने इसके साथ ही वीआईपी मूवमेंट को न्यूनतम रखने पर भी जोर दिया, जिससे आम श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि पार्किंग व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। सड़कों के किनारे वाहनों की पार्किंग न होने दी जाए। सेवाभाव से विभिन्न स्थानों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने परिक्रमा मार्ग एवं मंदिर म्यूजियम के निर्माण की प्रगति की भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने भी मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में कृषि मंत्री/जनपद के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, डॉ अमित सिंह चौहान, अभय सिंह, चंद्रभानु पासवान, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य गोपाल जी, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार, मंडलायुक्त राजेश कुमार, डीआईजी सोमेन बर्मा, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने श्रीराम मंदिर व हनुमानगढ़ी में किया दर्शन-पूजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीराम मंदिर में श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री यहां सबसे पहले महंत प्रेमदास जी महाराज से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अन्य संतों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। इससे पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री/कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, अभय सिंह, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

एक घंटे में यात्री का गुम बैग बरामद, आलमबाग पुलिस की त्वरित कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना आलमबाग पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बस अड्डे से एक यात्री का गुम हुआ बैग मात्र एक घंटे के भीतर बरामद कर संबंधित महिला को सुपुर्द कर दिया।पुलिस के अनुसार 11 मार्च 2026 को शाम लगभग 7:30 बजे आलमबाग बस अड्डा चौकी पर बीघापुर थाना क्षेत्र के उन्नाव निवासी अनीता सैनी ने सूचना दी कि आलमबाग बस स्टैंड से उनका बैग गुम हो गया है। उन्होंने बताया कि बैग में 15 हजार रुपये नकद के साथ आवश्यक कागजात और अन्य जरूरी

दस्तावेज रखे हुए थे।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक आलमबाग राम बाबू सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बस अड्डे पर तैनात पुलिस बल को निर्देश दिए। चौकी प्रभारी बस अड्डा और पुलिस टीम ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए आलमबाग बस स्टैंड और आसपास के क्षेत्र में तलाश शुरू की। पुलिस की सतर्कता और प्रयासों से करीब एक घंटे के भीतर बैग बस अड्डे से सकुशल बरामद कर लिया गया।बरामद बैग में मौजूद 15 हजार रुपये की नकद राशि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित पाए गए, जिन्हें विधिवत अनीता सैनी को सौंप दिया गया। अपना खोया सामान वापस मिलने पर महिला ने आलमबाग पुलिस की त्वरित कार्रवाई और ईमानदारी की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

मां पाटेश्वरी मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दर्शन-पूजन

लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार प्रातः तुलसीपुर स्थित देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। इस दौरान उन्होंने मां की आरती उतारी और प्रदेशवासियों के सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।पूजन के बाद मुख्यमंत्री गोशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गायों को गुड़ और चारा खिलाया। साथ ही मंदिर परिसर और गोशाला की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को बलरामपुर पहुंचे थे और मां पाटेश्वरी मंदिर परिसर में ही रात्रि विश्राम किया।मुख्यमंत्री ने आगामी नवरात्रि मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। मौके पर मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी और कालीबाड़ी मंदिर गोरखपुर के महंत रविंद्र दास भी मौजूद रहे।

अवैध खनन पर सख्ती के निर्देश, बांदा और गोण्डा के खान अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सचिव एवं निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग उत्तर प्रदेश माला श्रीवास्तव ने प्रदेश में खनन विभाग के कार्यों, प्रवर्तन कार्रवाइयों, राजस्व प्राप्तियों तथा विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान सभी जनपदों में उपखनिजों के खनन, परिवहन और राजस्व प्राप्ति की स्थिति का गहन परीक्षण किया गया।समीक्षा बैठक में उन्होंने सभी जनपदों के खनन अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में उपखनिजों के अवैध खनन और अवैध परिवहन पर प्रभावी एवं ठोस कार्रवाई करते हुए पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप खनन विभाग को पूरी सक्रियता के साथ कार्य करना होगा और किसी भी स्थिति में अवैध गतिविधियों को पनपने नहीं दिया जाएगा।माला श्रीवास्तव ने निर्देश दिया कि नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा खनन से संबंधित राजस्व प्राप्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करें।उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में शिथिलता, लापरवाही या उदासीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रदेश में खनन व्यवस्था को पारदर्शी, प्रभावी और राजस्व उन्मुख बनाते हुए कार्य किया जाए, ताकि अवैध खनन पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो सके और राज्य की राजस्व प्राप्तियों में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

प्रदेश में गन्ना किसानों को 3 .15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड भुगतान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राज्य सरकार ने गन्ना किसानों की खुशहाली और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अब तक 3,15,753 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित किया है। इससे प्रदेश के लगभग 48 लाख गन्ना किसानों को बड़ी राहत मिली है। सरकार की सख्त निगरानी और नियमित समीक्षा के चलते चीनी मिलों द्वारा भुगतान प्रक्रिया में तेजी आई है और वर्तमान पेराई सत्र में 42 चीनी मिलों ने किसानों को शत-प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान किया है।गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस ने बताया कि भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाने के लिए एस्क्रो अकाउंट के माध्यम से डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम को प्रभावी बनाया गया है। किसानों को गन्ना पर्ची, सर्वे और गन्ना मूल्य भुगतान से जुड़ी जानकारी एसएमएस और विभागीय पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। इससे भुगतान व्यवस्था में पारदर्शिता आई है और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो रहा है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तथा गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के मार्गदर्शन में गन्ना किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अपर मुख्य सचिव (चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास) बीना कुमारी के निर्देशों के तहत गन्ना हितैषी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से भुगतान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है।गन्ना आयुक्त ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक किसानों को गन्ना मूल्य के रूप में सबसे बड़ी धनराशि का भुगतान कर रिकॉर्ड स्थापित किया गया है। प्रदेश सरकार ने पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि की है। इसके तहत अगैती प्रजातियों के लिए 400 रुपये प्रति कुंतल और सामान्य प्रजातियों के लिए 390 रुपये प्रति कुंतल की दर निर्धारित की गई है। इस वृद्धि से किसानों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में गन्ना विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। उन्नत बीज, अधिक उत्पादन और समृद्ध किसान के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए गन्ना खेती में तकनीकी सुधार के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।इसी क्रम में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर और गन्ना शोध परिषद के साथ हाल ही में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे ब्रीडर सीड की उपलब्धता में लगभग 12 हजार कुंतल की वृद्धि होगी और मध्य व पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों को लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त उन्नत गन्ना प्रजातियों के बीज की उपलब्धता बढ़ाने और उनकी शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद और बलरामपुर चीनी मिल की हैदरगढ़ इकाई के बीच भी समझौता ज्ञापन किया गया है।

इजराइल में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 6004 निर्माण श्रमिक सुरक्षित: प्रमुख सचिव श्रम

लखनऊ। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एम. के. शनुगा सुन्दरम ने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश के कुल 6,004 निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) तथा इजराइल की सरकारी संस्था जनसंख्या एवं आव्रजन प्राधिकरण (पीबा) के माध्यम से किया गया था और उन्हें वर्ष 2024 के दौरान इजराइल भेजा गया था।उन्होंने बताया कि ये श्रमिक इजराइल की विभिन्न निर्माण कंपनियों और परियोजनाओं में कार्यरत हैं तथा नियमित रूप से अपने कार्यस्थलों पर कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा इनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।मध्य एशिया क्षेत्र में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास द्वारा 28 फरवरी 2026 को इजराइल में निवास कर रहे सभी भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षा परामर्श जारी किया गया है।

गोमती नगर में निर्माणाधीन नगर निगम के नए भवन का महापौर ने किया औचक निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोमती नगर में निर्माणाधीन नगर निगम के नवीन भवन का महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने भवन में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए निर्माण एजेंसी सीएंडडीएस के अधिकारियों और ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम के इस नए भवन से शहर की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और

व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी, इसलिए निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।इसके बाद महापौर ने एसबीएम हॉल में निर्माण कार्य कर रही एजेंसी के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और हर शनिवार को समीक्षा बैठक आयोजित की जाए, ताकि कार्यों में तेजी लाई जा सके और परियोजना समय पर पूरी हो सके।महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मानकों का पालन किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम के इस नवीन भवन के निर्माण से शहरवासियों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।इस अवसर पर चीफ इंजीनियर (सिविल) महेश वर्मा, चीफ इंजीनियर आरआर मनोज प्रभात, अधिशासी अभियंता अतुल मिश्रा तथा निर्माण एजेंसी सीएंडडीएस के जीएम सौरभ श्रीवास्तव, प्रोजेक्ट मैनेजर एवं ठेकेदार के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी कर्मचारी कब से 'कर्मयोगी' होने लगे!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक नया जुमला बोला। उन्होंने एआईओ 'मानव की बात कही। पहले भी नरेंद्र मोदी की सरकार यही काम करती रही है। ऐसा लगता है कि सरकार की पूरी टीम इसी काम में लगी रहती है कि कैसे हिंदी, अंग्रेजी और जरुरत हो तो उर्दू के शब्दों के पहले अक्षर लेकर एक शब्द बनाया जाए। कुछ दिन पहले ही विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण यानी वीबी जी राम जी कानून बना। सोचें, कितनी मेहनत लगी होगी इस कानून को जी राम जी नाम देने में। इसमें हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू के शब्द एक साथ शामिल किए गए।

उसी तर्ज पर 'मानव का जुमला प्रधानमंत्री ने बोला है। यह एक हिंदी शब्द है, जिसके अंग्रेजी अक्षरों एमएएनवी से बना कर कुछ मैसेज देने की कोशिश की गई। इसमें एम फॉर मोरल यानी नैतिक, ए फॉर अकाउंटेबिलिटी यानी जवाबदेही, एन फॉर नेशनल सॉवरेनिटी यानी राष्ट्रीय संप्रुभता, ए फॉर एक्सेसिबल यानी सुगम और वी फॉर वैलिड यानी वैध। ऐसा लगता है कि पहले तय किया गया कि एआई का मानव बनाना है और फिर मानव की अंग्रेजी स्पेलिंग के अक्षरों के आधार पर कुछ शब्दों का चयन करके इसे ऐसे प्रस्तुत किया गया, जैसे कोई बड़ी दार्शनिक बात हो। ध्यान रहे अमेरिका के जिन टेक दिग्गजों ने 10 साल पहले एआई की कल्पना की थी और उसे मूर्त रूप दिया तो उनको कभी इस तरह के जुमले गढ़ने की जरुरत नहीं पड़ी। उन्होंने अपने विचार को धरातल पर उतारा। लेकिन भारत के पास एआई के क्षेत्र में देने के लिए नया कुछ नहीं है तो 'मानव का जुमला दे डाला।

इस सम्मेलन में हिस्सा लेने आए गूगल के सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और मुलाकात से बाहर निकले तो मीडिया के सामने कहा कि उनकी कंपनी भारत के दो करोड़ कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण देगी। यह काम दशकों से हो रहा है। अमेरिका और यूरोप के देश तकनीक बनाते हैं और उसे भारत में बेचने से पहले भारत को लोगों को उसका प्रशिक्षण देते हैं। ताकि वे उसके उपयोक्ता बन सकें। यही काम कंप्यूटर और ऑपरेटिंग सिस्टम के मामले में 40 साल पहले हो रहा था और अब एआई के मामले में हो रहा है। लेकिन यहां भी प्रधानमंत्री की टीम जुमला उछालने से बाज नहीं आई। गूगल के पेशेवर भारत सरकार के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देंगे और उस परियोजना का नाम 'कर्मयोगी होगा। सोचें, भारत के सरकारी कर्मचारी कब से 'कर्मयोगी होने लगे! ज्यादातर सरकारी कर्मचारियों से आम नागरिकों की शिकायत यह रहती है कि वे कामचोर होते हैं और रिश्वत लेते हैं। तो क्या अब एआई से कैसे कामचोरी करें और कैसे रिश्वत लें इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी? यह भी सवाल है कि जब भारत विश्वगुरू है तो अमेरिका की कंपनी के लोग भारत के कर्मचारियों को क्यों ट्रेनिंग देंगे? कायदे से तो मोदीजी को भारत से लोगों को भेजना चाहिए था, जो अमेरिका और यूरोप के लोगों को ट्रेनिंग देंगे। दुनिया हमको सिखाएगी एआई चलाना और जबकि हम अपने को विश्वगुरू कहते हैं!

संसद के बजट सत्र में एक दिन राज्यसभा की कार्यवाही में कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने इस मामले में अच्छा कहा। राजीव शुक्ला ने कहा कि गुरू होने के लिए शिष्य की जरुरत होती है। लेकिन भारत के पास शिष्य कहां हैं? उन्होंने याद दिलाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ कई देश खड़े रहे लेकिन भारत के साथ एक भी देश खड़ा नहीं हुआ। यह कैसा विश्वगुरू देश है, जिसके साथ जरुरत पड़ने पर कोई देश खड़ा नहीं हो?

बहरहाल, जी राम जी, मानव, कर्मयोगी जैसे जुमलों की भारत में कमी नहीं है। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यालय को तीर्थ बना लिया। अब पीएमओ का नाम सेवा तीर्थ है और वहां लिखा हुआ है, नागरिक देवो भव। यह मामूली बात है कि पांच किलो अनाज और पांच सौ रुपए का मासिक अनुदान पाने वाले नागरिक भी मोदीजी के भारत में देव का दर्जा रखते हैं।

एआई क्रांति की फसल काटने का बंदोबस्त

अमेरिका अगले साल एआई पर साढ़े छह सौ बिलियन डॉलर यानी करीब छह लाख करोड़ रुपए का है। चीन अगले साल सौ बिलियन डॉलर यानी एक लाख करोड़ रुपए का है।

अजीत द्विवेदी

दिल्ली में हुआ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत में एआई क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने वाले कार्यक्रम साबित होगा या वक्ती मीडिया हाइप के बाद इसका भी मामला नेपथ्य में चला जाएगा और सब कुछ वैसे ही चलता रहेगा, जैसा पहले चलता रहा है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से अब तक हुई तमाम औद्योगिक और संचार क्रांतियों में भारत की भूमिका नगण्य रही है। पहली औद्योगिक क्रांति में भी भारत ने न कुछ आविष्कार किया और न कोई निर्माण किया।

उसी तरह संचार क्रांति में भी भारत का योगदान एक यूजर देश के रूप में ही रहा। भारत ने हर क्रांति में बने उत्पादों का इस्तेमाल किया। अगर सोशल मीडिया क्रांति में भारत की उपलब्धि यह है कि भारत में सबसे ज्यादा 45 करोड़ फेसबुक यूजर हैं तो एआई क्रांति में अभी तक भारत की उपलब्धि का आंकड़ा यह है कि भारत में चैटजीपीटी के अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा यूजर हैं। भारत में इनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या साढ़े 14 करोड़ है।

अब दुनिया भर की एआई कंपनियों में होड़ मची है कि किसके यूजर सबसे ज्यादा होंगे। गूगल को अपने जेमिनी के यूजर बढ़ाने हैं तो सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साथ मीटिंग के बाद मीडिया के सामने कहा कि उनकी कंपनी भारत के दो करोड़ कर्मचारियों को एआई के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देगा। इसी तरह सैम ऑल्टमैन की कंपनी ओपनएआई भी चैटजीपीटी के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण देगी। माइक्रोसॉफ्ट ने भी 30 लाख लोगों को प्रशिक्षण देने की घोषणा की है। 30 साल पहले इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट के ट्रेनिंग कैंप लगते थे। उनके पेशेवर भारत के लोगों को माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम के इस्तेमाल की जानकारी देते थे। लोगों को ईमेल और सर्च इंजन के इस्तेमाल में प्रशिक्षित किया जाता था।

आज भी वही इतिहास दोहरा रहा है। आप कोई भी यूट्यूब प्लेटफॉर्म खोलिए वहां सबसे ज्यादा विज्ञापन इस बात का आ रहा है कि एआई का इस्तेमाल करना सीखें और कमाई बढ़ाए। याद करें कैसे पहली संचार क्रांति के समय गली गली में कंप्यूटर और लैपटॉप रिपेयर की दुकानें खुलीं, उसके बाद मोबाइल हैंडसेट के रिपेयर और सिम बेचने की दुकानें खुलीं और अब हर जगह एआई सिखाने की दुकानें खुल रही हैं।

सवाल है कि इसमें भारत का अपना क्या है? इसी एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की कंपनी सर्वम ने अपना प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। बेंगलुरू स्थित कंपनी ने पहला मल्टी बिलियन पैरामीटर का एलएलएम यानी लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया। लेकिन अभी इसका इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ है। आम लोगों के बीच यह नहीं पहुंचा है और न इसके पेशेवरों द्वारा लोगों को सर्वम के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरी ओर अमेरिका की कंपनियों के प्लेटफॉर्म करोड़ों की संख्या में लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हैं। चैटजीपीटी के कई वर्जन आ गए। उसे लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इसी तरह जेमिनी, ग्रॉक, परप्लेक्सिटी जैसे प्लेटफॉर्म का करोडों लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। चीन के डीपसीक की बात छोड़ दें तो अमेरिकी कंपनियां पूरी दुनिया पर छा गई हैं। उनके यहां इस पर इतना रुपया खर्च किया जा रहा है, जिसकी भारत में कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

अमेरिका अगले साल एआई पर साढ़े छह सौ बिलियन डॉलर यानी करीब छह लाख करोड़ रुपए का है। चीन अगले साल सौ बिलियन डॉलर यानी एक लाख करोड़ रुपए का है। इसके मुकाबले भारत सरकार ने इस साल बजट में एआई के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सोचें, कहां छह लाख और एक लाख करोड़ और कहां एक हजार करोड़! दुनिया के एआई पेटेंट में भारत का हिस्सा सिर्फ 0.39 फीसदी है तो चीन का हिस्सा 70 फीसदी है।

भारत सरकार एक हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है लेकिन देश के अरबपतियों ने लाखों करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया। इतना बड़ा ऐलान है कि अमेरिका और चीन भी चित हो जाएं। अडानी समूह ने अगले 10 साल में 18 लाख करोड़ तो अंबानी समूह ने सात साल में 10 लाख करोड़ रुपए निवेश का ऐलान किया है। सोचें, यह रकम पढ़ कर लगेगा कि अब भारत एआई क्रांति का विश्वगुरू बनने वाला है। भारत को कोई नहीं रोक सकता है। यह भी भाव मन में पैदा होगा कि अमेरिका और चीन भारत के इन दो कारोबारियों के सामने क्या हैं।

अब सवाल है कि क्या ये दोनों कारोबारी किसी एआई प्लेटफॉर्म का निर्माण करेंगे, क्या ये कोई चैटजीपीटी जैसा बना देंगे और भारत के लोग उसका इस्तेमाल करने लगेंगे? हम ज्यादा उम्मीद नहीं करते हैं। यह नहीं सोचते हैं कि भारत के अंबानी और अडानी कुछ ऐसा बना देंगे, जिसका इस्तेमाल अमेरिका या यूरोप के लोग करने लगेंगे लेकिन क्या भारत के लोगों के लिए भी ये कंपनियां कुछ बना पाएंगी? इनका इतिहास देखते हुए लग नहीं रहा है कि ये कुछ बनाएंगी। इन्होंने एआई क्रांति की फसल काटने का बंदोबस्त किया है। टाटा से लेकर अंबानी, अडानी तब सबने किसी न किसी अमेरिकी कंपनी के साथ तालमेल कर लिया है।

ये लोग उनके वेंडर की तरह काम करेंगे। भारत में सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाएंगे और उसके इस्तेमाल की फीस वसूल कर कमाई करेंगे। उस कमाई का भी बड़ा हिस्सा अमेरिका जाएगा।

अब सवाल है कि भारत की कंपनियां इतना रुपया किस चीज में निवेश करेंगी? भारत की कंपनियों का निवेश जमीन अधिग्रहण करने, उस पर बड़ी इमारतें बनवाने और वहां एआई के डेटा सेंटर स्थापित करके उन्हें चलाने में खर्च होगा। वे बुनियादी ढांचा तैयार करके अमेरिकी कंपनियों को देंगी ताकि वे अपना डेटा सेंटर स्थापित करें। यह बहुत दिलचस्प संयोग है कि भारत सरकार ने इस साल बजट में डेटा सेंटर को 21 साल तक के लिए टैक्स छूट देने की घोषणा की है। यानी विशाल डेटा सेंटर बनेंगे और सरकार को कोई टैक्स नहीं दिया जाएगा। इतना ही नहीं डेटा सेंटर में इस्तेमाल होने वाली बिजली आम इस्तेमाल से 40 फीसदी सस्ती होगी। कंपनियां बजट में मिली इस छूट का लाभ उठाएंगी।

ध्यान रहे भारत में डेटा कैपिसिटी अभी 1.2 गीगावॉट की है जो अगले चार साल में बढ़ कर पांच गीगावॉट होने वाली है। इसके लिए 20 से 30 गीगावॉट बिजली की जरुरत होगी और इसी अनुपात में डेटा सेंटर्स की कूलिंग के लिए अरबों लीटर पानी की जरुरत होगी। इस तरह भारत अपनी जमीन देगा, टैक्स छूट देगा, सस्ती बिजली देगा, पानी देगा और सस्ता मानव संसाधन देगा, जिस पर प्राइमरी कमाई अमेरिकी कंपनियों की होगी और उसके बाद उनकी पिछलग्गू भारतीय कंपनियों की कमाई होगी। एक आर्थिक जानकार ने बहुत अच्छा समझाया कि अमेरिका ने कोका कोला और पेप्सी बनाई तो जापान और दक्षिण कोरिया ने रेफ्रिजेरेटर बनाए फिर दोनों ने मिल कर दुनिया भर के देशों से खरबों डॉलर की कमाई की। एआई क्रांति में भी यही होता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियों ने एआई प्लेटफॉर्म बनाए और भारत के अरबपति उनके वेंडर बन कर उनके लिए डेटा सेंटर बना रहे हैं और दोनों मिल कर कमाई करेंगे।

टिप्पणी

मुकदमे की कार्यवाही

हालिया न्यायिक निर्णयों ने इस धारणा की पुष्टि की है कि सरकारी एजेंसियों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल हुआ। जिन साक्ष्यों के आधार पर अभियोग दर्ज हुए, उनका सख्त न्यायिक परीक्षण हुआ, तो अधिकांश मामलों में वे टिक नहीं पाए।

कथित शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और 23 अन्य अभियुक्तों के खिलाफ मामला खारिज करते हुए जज ने जो टिप्पणियां कीं, उन पर गौर करने के बाद शायद ही किसी के मन शक बचे कि ये पूरा मामला बदनीयती से गढ़ा गया था। उसके एक दिन पहले पंचकूला से जुड़े नेशनल हेराल्ड मामले में भी ऐसा ही बड़ा फैसला आया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा को क्लीन चिट दे दी। मामला पंचकूला में संस्थागत प्लॉट के दोबारा आवंटन से जुड़ा था। कोर्ट ने कहा कि हरियाणा अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने 2006 में इस निर्णय को विधिवत मंजूरी दी थी, इसलिए मामले में अनियमितता के सारे इल्जाम बेबुनियाद हैं।

उसके पहले बीते दिसंबर में नेशनल हेराल्ड मामले में ही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की मनी लॉन्डिंग चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। इन घटनाओं ने इस आम धारणा की पुष्टि की है कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में सरकारी एजेंसियों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल हुआ है। एजेंसियों ने जिन कथित साक्ष्यों के आधार पर अभियोग दर्ज किए, उनका जब सख्त न्यायिक परीक्षण हुआ, तो अधिकांश मामलों में वे टिक नहीं पाए। इसलिए यह अनिवार्य हो गया है कि ऐसे सारे मामलों में मुकदमे की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर चलाई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

किसी भी व्यक्ति पर सालों साल मुकदमों का साया डाले रखना या अभियुक्तों को जेल में रखना (जैसाकि दिल्ली दंगों और भीमा कोरेगांव जैसे मामलों हुआ है) किसी रूप में उचित नहीं है। इससे भारत में प्रक्रिया ही दंड है- जैसी दुर्भाग्यपूर्ण धारणा लोगों के मन में गहराती चली गई है। सर्वोच्च न्यायपालिका ने जमानत जैसे बुनियादी तकाजे के बारे में भी तत्परता ना दिखाकर ऐसी धारणा को मजबूत किया है। नतीजतन, आपराधिक न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। अतः सुप्रीम कोर्ट के लिए उचित होगा कि वह राजनीतिक प्रकृति के तमाम संदिग्ध मामलों में जल्द सुनवाई सुनिश्चित कराए।

ब्लॉग

साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानमंद के साथ जो हो रहा है वह भारतीय समाज के अंदर पल रही एक बड़ी बीमारी का लक्षण है। वह बीमारी धार्मिक और सामाजिक विभाजन की है, जिसे राजनीतिक लाभ के लिए बढ़ाया जा रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि देश और समाज इस कदर निभाजित हुआ है। पहले समाज के स्तर पर विभाजन चुनावों के समय दिखते थे। हालांकि वह भी बहुत सीमित होता था। लेकिन आज स्थायी रूप से एक विभाजन दिखता है और दुर्भाग्य की बात यह है कि नेताओं के साथ साथ धर्मगुरु, आध्यामिक कार्यों में लगे लोग और साधारण से लेकर शंकराचार्य के स्तर तक साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे हुए हैं।

लोग साधु, योगी और कथावाचक की जाति खोज ले रहे हैं और फिर उस आधार पर उसके समर्थन या विरोध में खड़े हो जाते हैं। लेकिन यह किसी स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत नहीं हो रहा है। केंद्र की मौजूदा सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित तरीके से इस विभाजन को बढ़ा रही है। शंकराचार्य का मामला और यूजीसी की नियमावली इसके दो ताजा संकेत हैं।

बहरहाल, यह दुर्भाग्य है कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और इसके 140 करोड़ लोगों के नैतिक, धार्मिक या आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करने वाले साधु या संत या धर्मगुरू खोजने से नहीं मिलेंगे लेकिन नफरत फैलाते साधु संत चारों तरफ मिल जाएंगे। इतिहास में कभी भी भारत की आध्यात्मिक परंपरा ऐसी नहीं रही थी। ईसाई धर्मगुरू भड़काऊ बातें करते थे और झूठे सच्चे वादे करके धर्म परिवर्तन कराते थे या इस्लाम के प्रचारक मौलाना आदि भड़काऊ भाषणों से लोगों को उकसाते थे, जिहाद के लिए प्रेरित करते थे लेकिन हिंदू साधु संत इस तरह के काम नहीं करते थे।

यह अंतर बहुत साफ दिखता था और ऐसा इसलिए भी है क्योंकि बुनियादी रूप से ईसाई और इस्लाम दोनों राजनीतिक धर्म हैं, जो लालच या भय से फैलाए गए हैं। महात्मा गांधी ने साम्राज्यवाद को फैलाने वाली शक्तियों के तौर पर ईसाई पादरियों और चर्च को रेखांकित किया था। उन्होंने कहा था कि पहले इनके पादरी आते हैं, फिर इनके व्यापारी आते हैं और अंत में इनकी सेना आती है। इसी तरह इस्लाम तलवार के दम पर फैलता है यह आरोप अक्सर लगते रहते हैं।

लेकिन इस तरह की बातें हिंदू धर्म को लेकर नहीं कही जाती हैं तो इसका कारण यह था कि हिंदू धर्म के शंकराचार्य हों या दूसरे साधु संत हों वे समाज सुधार के कार्यों में रहते थे या धार्मिक अनुष्ठानों और आध्यात्मिक श्रेष्ठता प्राप्त करने के उपक्रमों में रहते थे। समय के साथ साथ इसमें बड़ा बदलाव आया है। अब भारत के साधु संत खुल कर राजनीति की बातें करते हैं। पार्टियों और नेताओं का समर्थन करते हैं। पांच हजार साल की सनातन परंपरा से अलग हट कर इस या उस नेता को हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में रेखांकित करते हैं। सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली बातें करते हैं। जाति और धर्म को लेकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं, जैसी टिप्पणी करने से नेता भी हिचकते हैं। देश के सम्मानित माने जाने वाले साधु संत महिलाओं को लेकर ऐसी अनर्गल बातें करते हैं, जिन्हें सुन कर सिर शर्म से झुक जाता है।

आज साधु संतों का आकलन उनकी योग्यता या धार्मिक, आध्यात्मिक उपलब्धियों के आधार नहीं किया जाता है, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि उसके आश्रम में कितनी भीड़ जुटती है, उसके आगे पीछे कितनी गाड़ियां चलती हैं, उसके आश्रम में कौन नेता, अभिनेता या खिलाड़ी पहुंचा, उसे कैसी सुरक्षा मिली हुई है आदि आदि। अगर धर्मगुरू चार्टर्ड फ्लाइट से चलता है तो वह सर्वश्रेष्ठ मान लिया जाएगा भले उसकी बातें कितनी भी मूर्खतापूर्ण और समाज का विभाजन करने वाली क्यों न हों। यह स्थिति एक राष्ट्र और समाज के रूप में भारत को रसातल में ले जा रही है। बहरहाल, विषयांतर हो गया लेकिन प्रयागराज वे माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के साथ जो हुआ और अब जिस तरह से एक दूसरे संत के हिस्ट्रीशीटर शिष्य द्वारा उनके खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगा कर मुकदमा दर्ज कराया गया है वह इस गंभीर व्याधि का एक लक्षण है। सबको पता है कि अविमुक्तेश्वरानंद वाचाल हैं। वे शंकराचार्य स्वरूपानंद के शिष्य हैं और अपने गुरू की तर्ज पर खूब बयानबाजी भी करते हैं। उनके बयान अक्सर भाजपा और उसकी केंद्र व राज्यों की सरकारों के खिलाफ होते हैं। उन्होंने पिछले साल के कुंभ मेले में हुई भगदड़ और उसकी मौतों को लेकर तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। इस आधार पर उनको भाजपा विरोधी और कांग्रेस समर्थक साधु माना जाता है।

हालांकि वे कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के खिलाफ भी बोलते रहते हैं। प्रयागराज में उनके साथ जो हुआ और उसके बाद से जो हो रहा है वह उनकी राजनीतिक सक्रियता से जुड़ा हुआ है। शुरुआत मौनी अमावस्या के दिन हुई, जब वे अपनी पालकी से शाही स्नान के लिए जा रहे थे और उनकी पालकी रोक दी गई है। प्रोटोकॉल का हवाला दिया गया। जब उनके शिष्यों ने आगे बढ़ने का उपक्रम किया तो बल प्रयोग करके सबको रोका गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी की क्षत्रप टूट गई और उनके शिष्यों को, जिनमें वेदपाठी ब्राह्मण बटुक थे, गिरा गिरा पर लातों, घूसों से पीटा गया। इसके बाद जब वे अन्न, जल त्याग कर अनशन पर बैठे तो उनको एक नोटिस भेज दिया गया कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है तो वे अपने को शंकराचार्य क्यों कह रहे हैं।

सबसे पहली बात तो यह है कि मेले का प्रोटोकॉल एक बात है लेकिन धर्मगुरुओं के स्नान की परंपरा तो धर्मगुरु ही तय करते हैं। कोई भी धार्मिक परंपरा सरकार नहीं तय करती है। वह धर्मगुरू तय करते हैं। इसी तरह किस संत का पट्टाभिषेक किस रूप में हुआ है यह भी तय करना प्रशासन का काम नहीं है। देश में अनगिनत अखाड़े, मंदिर, मठ, आश्रम आदि हैं उनमें प्रधान तय करने का अपना सिस्टम है। स्वंय योगी आदित्यनाथ को उनके गुरू योगी अवैद्यनाथ ने गोरक्षापीठ का महंत नियुक्त किया।

ऐसे ही शंकराचार्य की नियुक्ति शंकराचार्य करते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति उनके गुरू स्वरूपानंद ने की थी। इसके अलावा दूसरी परंपरा यह है कि चारों शंकराचार्य, जिसको शंकराचार्य मानेंगे वही असली होगा। चार में श्रृंगेरी और द्वारका के शंकराचार्य उनको शंकराचार्य मानते हैं, जबकि पुरी के शंकराचार्य उनके स्टैटस को लेकर खामोश थे। इस विवाद के बाद उन्होंने भी समर्थन किया है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा शुरू होने से पहले उनका पट्टाभिषेक भी हो चुका है। हालांकि प्रशासन के सामने इस सफाई की आवश्यकता नहीं थी। यह दुर्भाग्य है कि एक साधु को इस तरह की सफाई देनी पड़ रही है। दूसरी ओर पुलिस, प्रशासन और राज्य या केंद्र की सरकार में से किसी ने उनके अनशन की सुध नहीं ली। वे अन्न जल त्याग कर अनशन पर बैठे रहे और ऐसा लग रहा है कि राज्य व केंद्र की सरकार को लगा कि इनके साथ यही बरताव होना चाहिए क्योंकि ये हमारे विरोधी है।

यह राजनीतिक आधार पर साधु संतों के बंटने की अनिवार्य परिणति है। आज अगर केंद्र व उत्तर प्रदेश की सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने की वजह से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद प्रशासन का शिकार बनें हैं तो कल कांग्रेस की सरकार आने पर या किसी कांग्रेस शासित राज्य में उन संतों के साथ ऐसा ही हो सकता है, जो सोनिया या राहुल गंधी और कांग्रेस के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। ऐसे संतों की लंबी सूची है। उनको सोचना चाहिए कि जब इस व्यवस्था में एक शंकराचार्य के साथ ऐसा हो सकता है तो अनपढ़, अज्ञानी कथावाचकों और कथित साधु संतों का क्या होगा?

ट्रेन में मारपीट वेंडर घायल, पांच का चालान

जौनपुर। आजमगढ़ से दिल्ली जाने वाली कैफियात एक्सप्रेस ट्रेन में यात्री और वेंडरो में हुई मारपीट में वेंडर घायल हो गया। जीआरपी ने वेंडर का उपचार करवाने के साथ ही पांच लोगों का शांति भंग में चालान कर दिया। आजमगढ़ से दिल्ली को जाने वाली कैफियत एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 12225 शाहगंज के प्लेटफार्म नंबर तीन पर आकर खड़ी हुई। इसी दौरान जनरल टिकट पर यात्रा करने वाले आजमगढ़ जनपद के माहे नगर थाना क्षेत्र निवासी बेचू यादव और गुलाब यादव से किसी बात को लेकर वेंडर राधेश्याम, पवन गोंड़, अनिल गोड़ से मारपीट हो गई। जिसमें एक वेंडर के सिर पर चोट आने से वह घायल हो गया। प्लेटफार्म पर जीआरपी चैकी प्रभारी जयदान सिंह साथी जवानों के साथ रूटिंग चक्रमण करते समय जानकारी होने पर मौके पर पहुंच गए और सभी को हिरासत में लेने के पश्चात घायल वेंडर का अस्पताल भेज कर उपचार कराया। तथा शांति भंग में सभी को पाबंद करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया।

'नाम देखा, रोल नंबर देखना भूली...', यूपीएससी में 113वीं रैंक पर गलत दावा करने वाली शिखा कैसे खा गई गच्चा? मायूस है परिवार

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से आईएएस बनने के दावे को लेकर चर्चा में आई शिखा गौतम का मामला पूरी तरह से साफ हो गया है। जांच में सामने आया है कि जिस 113वीं रैंक को लेकर दावा किया गया, था वो दिल्ली की रहने वाली एक अन्य अभ्यर्थी की है। उसका नाम भी शिखा है। इसके बाद बुलंदशहर की शिखा और उनके परिवार ने सार्वजनिक तौर पर अपनी गलती स्वीकार कर ली है।

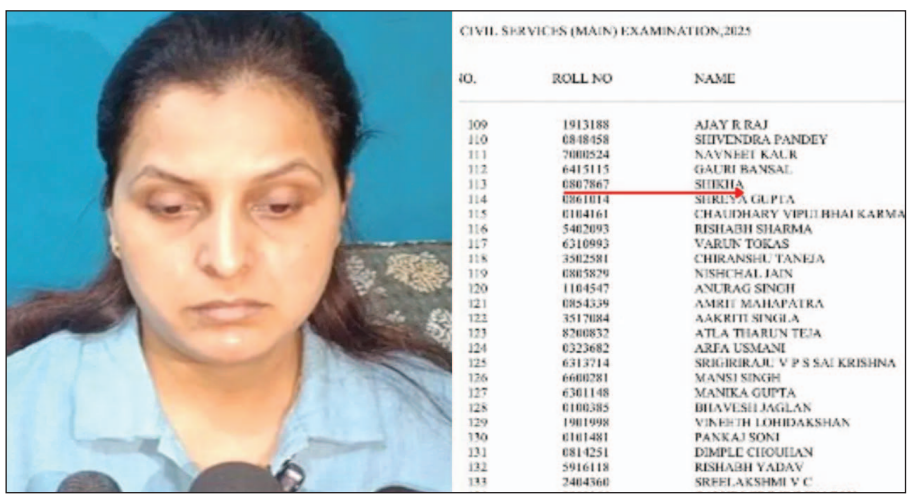

दरअसल, परिणाम घोषित होने के बाद बुलंदशहर की शिखा ने दावा किया था कि उन्होंने 113वीं रैंक हासिल कर सिविल सेवा परीक्षा पास कर ली हैं। यह खबर सामने आते ही सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय स्तर तक तेजी से फैल गई कई जगह उन्हें बधाई दी गई और परिवार में जश्न का माहौल बन गया। मामले में बाद में सामने आया कि शिखा ने रिजल्ट की पीडीएफ सूची में सिर्फ अपना नाम देखा और यह मान लिया कि उनका चयन हो गया है। उन्होंने रोल नंबर या अन्य विवरण की सही तरीके से जांच नहीं कि जब सूची में दर्ज रोल नंबर और अन्य विवरण का मिलान किया गया तो पता चला कि 113वीं रैंक किसी और अभ्यर्थी की है इसके बाद पूरे मामले की सच्चाई सामने आ गई।

दिल्ली की अभ्यर्थी निकली असली

जांच में यह स्पष्ट हुआ की 113वीं रैंक की असली अभ्यर्थी दिल्ली के रहने वाली शिखा है। बताया जा रहा है कि वो फिलहाल हरियाणा के रोहतक जिले में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। दिल्ली की अभ्यर्थी के सामने आने और सही जानकारी सामने आने के बाद बुलंदशहर की शिखा का दावा गलत साबित हो गया। मामला सामने आने के बाद बुलंदशहर की शिखा खुद मीडिया के सामने आईं और अपनी गलती स्वीकार की।

उन्होंने कहा कि रिजल्ट देखने के समय वो काफी उत्साहित थीं और उन्होंने सिर्फ नाम देखकर ही यह मान लिया कि उनका चयन हो गया है। उन्होंने रोल नंबर नहीं देखा था। उन्होंने यह जानकारी अपने परिवार और परिचितों को दे दी जिसके कारण यह बात तेजी से फैल गई। शिखा के पिता प्रेमचंद ने भी इस मामले में सफाई दी। उन्होंने कहा की बेटी ने जब बताया कि उसका चयन हो गया तो परिवार ने उसे पर भरोसा कर लिया। परिवार ने भी बिना पूरी जांच किए बिना यह जानकारी लोगों तक पहुंचा दी। बाद में जब असली बात सामने आई तो उन्हें अपने गलती का एहसास हुआ।

अधिकारियों की तरफ से नहीं आया कोई बयान

इस पूरे मामले में जब प्रशासनिक अधिकारियों और बुलंदशहर की जिलाधिकारी से बात की तो उन्होंने इस पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन एसडीएम सदर से बात करने पर उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में परीक्षाओं के परिणाम को लेकर आधिकारिक जानकारी की पुष्टि करना जरूरी होता है। बिना पूरी जांच के किसी भी तरह का दावा करने से भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है। हालांकि उनके परिवार ने अपनी गलती स्वीकार की है। लेकिन अब इस चर्चा के बीच कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि इतनी बड़ी गलती आखिर कैसे हो सकती है। वहीं, आसपास के लोगों का कहना है कि यह पूरा मामला अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

आकांक्षा सिंह नाम पर भी किया गया था दावा

इससे पहले यूपीएसी में 301 रैंक को लेकर भी इसी तरह कुछ दावा किया गया था। जिसे बाद में सुलझा लिया गया था। जांच में बिहार की आकांक्षा का दावा फर्जी पाया गया, जबकि उत्तर प्रदेश (गाजीपुर) की आकांक्षा सिंह असली विजेता घोषित हुईं। क्यूआर कोड स्कैन और आधिकारिक विवरण से यूपी की आकांक्षा के चयन की पुष्टि हुई।

मर्डर नहीं आत्महत्या? फतेहपुर ट्रिपल डेथ केस में मिला सुसाइड नोट, कैसे 4 लोगों ने परिवार को किया टॉर्चर

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में ट्रिपल डेथ केस में अब नया मोड़ आ गया है। शुरुआती तौर पर हत्या की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन पुलिस की जांच में मामला सुसाइड का सामने आ रहा है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें चौंकाने वाली बातें लिखी गई हैं।

यह पूरा मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के चौफेरवा गांव का है, जहां एक ही घर के कमरे में तीन लोगों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। मृतकों में मां सुशीला श्रीवास्तव, उनका बेटा अमर श्रीवास्तव और देवर सुनील श्रीवास्तव शामिल हैं। एक साथ तीन लोगों की मौत की खबर मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई थी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए थे।

घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट

सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और पूरे घर को घेरकर जांच शुरू कर दी गई। शुरुआती जांच में तीनों के हाथ और गले की नस कटी हुई मिली थी, जिसके चलते हत्या की आशंका भी जताई जा रही थी। हालांकि, बाद में घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट ने जांच की दिशा बदल दी। अमर के कथित सुसाइड नोट में लिखा है, आज मैं, मेरा परिवार—चाचा, मम्मी और मैं—मजबूरी में यह फैसला लेने को मजबूर हो गए हैं। सबसे पहले संजय सिंह ने मेरे बारे में लोगों को भड़काया। उसकी गाड़ी के सामान का पूरा पैसा भी पप्पू (दिलीप त्रिवेदी) ने हड़प लिया। इसके बाद यहां काम शुरू किया, लेकिन यहां भी शुभम साहू की वजह से नुकसान हुआ और सब कुछ बर्बाद हो गया।

सुसाइड नोट में आगे जिक्र है राहुल श्रीवास्तव की पेमेंट वापस होने के बावजूद उसने चेक अपने पास रखकर मुझे ब्लैकमेल किया। अब हिम्मत नहीं बची है। सोनू भी कह रहा है कि SC/ST एक्ट लगाकर पैसे वसूल किए जाएंगे। हम लोगों के जाने के बाद घर रोशनी को दे दिया जाए। साथ ही जीजा और बहन को किसी तरह की परेशानी न दी जाए। मेरे जिया अनमोल और बहन दीपिका का इन बातों से कोई लेना-देना नहीं है, इसलिए उन्हें भी किसी तरह से परेशान न किया जाए।

क्या बोले एडीजी?

प्रयागराज जोन के एडीजी ज्योति नारायण ने बताया कि घटनास्थल से जो सुसाइड नोट मिला है, वह प्रथम दृष्टया मृतक अमर श्रीवास्तव के हाथ का लिखा हुआ प्रतीत होता है। इस नोट में अमर ने आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव का जिक्र किया है। साथ ही कुछ लोगों द्वारा उन्हें एससी/एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी दिए जाने की बात भी लिखी गई है। एडीजी के अनुसार, सुसाइड नोट में जिन लोगों के नामों का उल्लेख किया गया है, उनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन परिस्थितियों में परिवार ने इतना बड़ा कदम उठाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग का मिलान भी कराया जाएगा, ताकि यह पुष्टि हो सके कि वह वास्तव में अमर श्रीवास्तव ने ही लिखा था। इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच की रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

नोएडा के सेक्टर-4 में लगी भीषण आग... बिजली का मीटर बनाने वाली फैक्ट्री में मचा हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा में सेक्टर-4 स्थित एक बिजली का मीटर बनाने वाली कंपनी में आज सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि पूरी इमारत धुएं के गुबार में तब्दील हो गई। हादसे के वक्त फैक्ट्री के अंदर 240 कर्मचारी काम कर रहे थे, जिनमें से कई लोग आग की लपटों के बीच फंस गए। घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल की 25 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग को बुझाने का काम जारी है।

आग लगने के बाद धुए का गुबार कई किलो मीटर दूर से देखा जा सकता है। जानकारी के मुताबिक भीषण आग बी-40 कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड नाम की कंपनी मे लगी है। आज सुबह करीब 5:30 बजे अचानक ये आग लग गई। जहां आग लगी, वो तीन मंजिला इमारत है जहां बिजली के मीटर बनाने का काम किया जाता है। जिस वक्त आग लगी, नाइट शिफ्ट के कर्मचारी फैक्ट्री के अंदर मौजूद थे। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरी फैक्ट्री में हड़कंप मच गया। अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में करीब 26 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कई लोगों को बचाव दल ने इमारत की खिड़कियां तोड़कर इन कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

दमकल की गाड़ियां बुझा रहीं आग

सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की 25 यूनिट्स को काम पर लगाया गया है। दमकल कर्मी जान जोखिम में डालकर इमारत के अंदर फंसे लोगों को निकालने और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

मामले में क्या बोले ज्वाइंट कमिश्नर?

ज्वाइंट कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर राजीव नारायण मिश्र ने बताया- फिलहाल प्राथमिकता आग को बुझाने और घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने की है। शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य कारण से आग लगी, इसकी जांच पुलिस और फायर विभाग द्वारा की जाएगी।

भाईचारे का संदेश देने वाला पावन पर्व है होली

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। माध्यमिक शिक्षक संघ (नवीन) का होली मिलन समारोह सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओलंदगंज में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राज केशर यादव ने की। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त उप शिक्षा निदेशक चंद्रजीत यादव रहे। विशिष्ट अतिथियों में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, टी.डी. डिग्री कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. के.बी. यादव तथा राजा श्रीकृष्ण दत्त डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. लाल साहब उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि ने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं है, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव, एकता और भाईचारे का संदेश देने वाला पावन पर्व है। विशिष्ट अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हमें मन के

सभी भेद मिटाकर एक-दूसरे के साथ खुशियों के रंग साझा करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज केवल ज्ञान देने वाला वर्ग नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सबसे सशक्त धुरी है। ऐसे कार्यक्रम आपसी सहयोग, संवाद और संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। डॉ. के.बी. यादव डॉ. लाल साहब ,जिला उपाध्यक्ष डॉ. जी.एन. सिंह शाक्य , जिला कोषाध्यक्ष रामनारायण बिन्द रितेश कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षकों और संगठन के बीच सांस्कृतिक एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।जिला उपाध्यक्ष हौशिला प्रसाद पाल ने कहा कि प्रांतीय नेतृत्व के निर्देशन में समय-समय पर आयोजित कार्यक्रमों से संगठन की मजबूती, आपसी विश्वास और सहयोग की भावना प्रगाढ़ होती है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रसेन, जिला मंत्री शैलेंद्र कुमार सरोज, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, अमरेश मिश्रा, शिवाकांत सोनकर, पूर्व शिक्षक नेता विनय कुमार यादव, डॉ. गुरचरण चैरसिया, सुभाष कनौजिया, बांकेलाल प्रजापति, अरुण कुमार मौर्य आदि ने संबोधित किया।

एक लड़की-दो प्रेमी... फिर खून खेल, गाजीपुर में 15 साल के लड़के का क्यों हुआ मर्डर?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश ने एक लड़के की जान ले ली। मामला जंगीपुर थाना क्षेत्र के उधउपुर ग्राम सभा का है, जहां भाई की शादी की खुशियों के बीच मातम छा गया। हल्दी के कार्यक्रम के दिन 15 वर्षीय किशोर सुधारन राजभर को उसके ही कुछ परिचित युवकों ने बुलाकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

सोमवार देर रात जंगीपुर थाना क्षेत्र के उधउपुर गांव निवासी सुधारन राजभर को दो युवकों ने घर से बुलाया था। बताया जा रहा है कि जब वह उनसे मिलने पहुंचा तो वहां पहले से ही कुछ युवक मौजूद थे। इन लोगों ने मिलकर सुधारन पर लाठी-डंडों से

हमला कर दिया और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए मऊ जिले के एक निजी अस्पताल ले गए। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने जाम की सड़क

लड़के की मौत की खबर मिलते ही गांव में गुस्सा फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे जाम करने की कोशिश भी की। हालांकि पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों और परिजनों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में जंगीपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बदधूसराय चौराहे के पास से माधवपुर मिश्रौली गांव निवासी इंद्रजीत और बीजापतपुर गांव निवासी ऋतिक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने जो खुलासा किया, वह चौंकाने वाला था।

सामने आया लव एंगल

पुलिस जांच में सामने आया कि इंद्रजीत की बुआ का घर मरदह थाना क्षेत्र के एक गांव में है। इंद्रजीत के बुआ के बेटे अनुज का एक युवती से प्रेम संबंध था और वह उससे बातचीत करता था। इसी बीच मृतक सुधारन भी उसी युवती से बात करने लगा था। इस बात को लेकर अनुज नाराज था। अनुज ने सुधारन को समझाने के लिए उसका मोबाइल नंबर इंद्रजीत को दिया था। इसके बाद इंद्रजीत ने सुधारन को फोन कर युवती से बात न करने की चेतावनी दी। लेकिन सुधारन ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। इसी दौरान दोनों के बीच फोन पर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे को देख लेने की धमकी दे दी।

पुलिस के अनुसार, इसी विवाद के बाद सुधारन को मिलने के बहाने बुलाया गया। जब वह मौके पर पहुंचा तो वहां पहले से मौजूद इंद्रजीत, ऋतिक और अन्य युवकों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मारपीट में इस्तेमाल किया गया बांस का टुकड़ा भी बरामद कर लिया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है, जबकि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कभी आदर्श तो कभी ज्योति... पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप, 2 साल में पकड़े गए ये 10 लोग कौन-कौन

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा. कहते हैं ना कि देश को सिर्फ बाहरी दुश्मनों से खतरा नहीं होता, बल्कि कुछ गद्दार देश में रहकर भी दुश्मनों की मदद करते हैं। इसी के कई उदाहरण हमें आए दिन देखने को मिलते रहते हैं। यूपी एटीएस ने ऐसे ही नौसेना कर्मी आदर्श कुमार को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। वो मूल रूप से आगरा का रहने वाला है। वर्तमान में केरल के कोच्चि में पोस्टेड में था। आरोपी ने पाकिस्तान में मौजूद ISI एजेंटों से अपना संपर्क बनाया हुआ था। वो उन्हें फोटोज/वीडियोज और अन्य सीक्रेट जानकारियां भेजता रहता था। लेकिन ये कोई पहला मामला नहीं है। पिछले दो सालों में ऐसे कई लोग भारत में गिरफ्तार हुए हैं। 20242026 में भारत में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी Inter-Services Intelligence (ISI) के लिए जासूसी करने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से हम आपको 10 ऐसे लोगों के

बारे में बताएंगे, जो भारत की संवेदनशील जानकारियों ISI को देते थे।

ज्योति मल्होत्रा मामला

हरियाणा के हिसार की ट्रैवल व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को 2025 में पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया। जांच एजेंसियों का कहना है कि वह कई बार पाकिस्तान गई और वहां के अधिकारियों से संपर्क में थी। आरोप है कि उसने भारत के संवेदनशील स्थानों से जुड़ी जानकारी और तस्वीरें पाकिस्तानी एजेंटों तक पहुंचाईं। पुलिस के मुताबिक, वो सोशल मीडिया के जरिए ISI हैंडलरों से संपर्क में थी और उनसे नियमित बातचीत करती थी।

देवेंद्र सिंह ढिल्लों मामला

हरियाणा के कैथल से छात्र देवेंद्र सिंह ढिल्लों को 2025 में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वो पटियाला के खालसा कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के संपर्क में था और सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे जुड़ा। उस पर आरोप है कि वह हथियारों और सैन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी साझा करता था। पुलिस ने उसके मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट से कई अहम डिजिटल सबूत बरामद किए।

नौमन इलाही मामला

उत्तर प्रदेश के कैराना निवासी नौमन इलाही को हरियाणा पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया। वो पहले एक फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करता था। जांच में सामने आया कि उसने भारतीय सेना से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं और वीडियो ISI हैंडलर को भेजे थे। पुलिस के अनुसार, उसके मोबाइल, कॉल रिकॉर्ड और बैंक लेनदेन से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के सबूत मिले। मामला आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दर्ज किया गया।

मोहम्मद मुर्जता अली मामला

पंजाब के जालंधर से मोहम्मद मुर्तजा अली को 2025 में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, वो मोबाइल ऐप के जरिए भारत की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाता था। जांच में उसके पास से कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए गए। अधिकारियों का कहना है कि वह ऑनलाइन माध्यम से ISI एजेंटों से संपर्क करता था और इसके बदले उसे पैसे भी मिलते थे।

रविंद्र कुमार मामला

उत्तर प्रदेश एटीएस ने 2025 में ऑर्डनेंस फैक्ट्री के कर्मचारी रविंद्र कुमार को गिरफ्तार किया। उस पर आरोप है कि उसने हथियार निर्माण और सैन्य उपकरणों से जुड़ी गोपनीय जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी तक पहुंचाईं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, वो लंबे समय से एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में था। मोबाइल और डिजिटल डिवाइस की जांच में कई संवेदनशील दस्तावेज और बातचीत के रिकॉर्ड मिले।आरोपी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

कासिम मामला

दिल्ली पुलिस ने 2025 में कासिम नाम के युवक को ISI से जुड़े जासूसी नेटवर्क में गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि वह दो बार पाकिस्तान गया था, जहां उसे जासूसी की ट्रेनिंग दी गई। आरोप है कि उसने भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजे, जिनका इस्तेमाल पाकिस्तानी एजेंट भारतीय लोगों से संपर्क करने के लिए करते थे। पुलिस के अनुसार उसके जरिए सैन्य और सरकारी संस्थानों से जुड़ी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही थी।

शहजाद मामला

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से शाहजाद नाम के व्यक्ति को एटीएस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारियों का कहना है कि वो ISI एजेंटों के संपर्क में था और भारत की सुरक्षा से जुड़ी जानकारी साझा करता था।

प्रकाश सिंह मामला

राजस्थान के श्रीगंगानगर इलाके से प्रकाश सिंह उर्फ बादल को 2025 में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, वो सीमा के पास सैन्य क्षेत्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों में शामिल था और सेना से जुड़ी जानकारी पाकिस्तान भेजने का आरोप था। जांच एजेंसियों का कहना है कि वो सोशल मीडिया के जरिए ISI हैंडलरों से संपर्क में था। मामले में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

हनीफ खान मामला

राजस्थान के जैसलमेर से हनीफ खान को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार वो सेना की गतिविधियों और ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी पाकिस्तान की एजेंसी तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया कि वह सोशल मीडिया के जरिए ISI एजेंटों से संपर्क में था और कई बार पाकिस्तान भी गया था। अधिकारियों ने उसके पास से सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी और डिजिटल डाटा बरामद किया।

आदर्श कुमार मामला

उत्तर प्रदेश के आगरा से भारतीय नौसेना के जवान आदर्श कुमार को 2026 में एटीएस ने गिरफ्तार किया। जांच के अनुसार, उसे सोशल मीडिया पर हनीट्रैप में फंसाकर ISI एजेंटों ने संपर्क किया था। आरोप है कि उसने नौसेना के जहाजों और सैन्य गतिविधियों की तस्वीरें व जानकारी साझा की। मोबाइल फोन और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तारी की गई और मामले की जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं।

हाथफूल से कश्मीरी चुड़ियों तक, ईद पर जरूर लें ये 5 एक्सेसरीज, तभी परफेक्ट होगा लुक

ईद का त्योहार आने वाला है। ऐसे में महिलाओं की शॉपिंग भी शुरु हो गई हैं। अपने लुक को परफेक्ट बनाने के लिए महिलाएं न जानें क्या-क्या खरीद लेती हैं। लेकिन आज हम आपको 5 ऐसी एक्सेसरीज बताने जा रहे हैं, जो खूब वायरल भी हैं और लुक को खूबसूरत बनाने में भी काम आएगी।

ईद का इंतजार हर मुस्लमान को रहता है। पूरे महीने रमजान के रोजे रखने के बाद ईद आने की खुशी की अलग होती है। खासतौर पर लड़कियों को ईद की काफी एक्साइटमेंट रहती है। ऐसे में वो कई दिन पहले से ही ईद की तैयारियां शुरु कर देती है। आउटफिट से लेकर ज्वेलरी तक...अपने लुक को परफेक्ट बनाने के लिए वो कई चीजें खरीदती हैं। हर साल ईद के मौके पर कई ऐसी चीजें ट्रेंड में आती हैं, जिनका क्रेज लड़कियों में साफ देखने को मिलता है। इस ईद पर आपको हर तरफ फारसी सलवार ही नजर आएगी। वहीं,कुछ एक्सेसरीज भी हैं जिन्हें काफी पसंद किया जा रहा है।

हाथफूल, झुमके, कश्मीरी चुड़ियां या स्टाइलिश अंगूठियां जैसी एक्सेसरीज न सिर्फ आपके पहनावे में चार चांद लगाती हैं, बल्कि पूरे लुक को एक अलग ही एलीगेंस देती हैं। अगर आप भी इस ईद पर सबसे ज्यादा खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको 5 ऐसी एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इस वक्त ट्रेंड में है और आपके लुक को एक खूबसूरत लुक दे सकती हैं।

चांद स्टाइल हाथफूल

ईद के मौके पर जब हाथों पर मेहंदी लगी हो तब उसकी खूबसूरती को हाथफूल और बढ़ा देते हैं। वैसे तो किसी शादी पार्टी के लिए हाथफूल ज्यादा पसंद किए जाते हैं। लेकिन इस वक्त मार्केट में चांद वाले हाथफूल खूब मिल रहे हैं। ये एंटी-टार्निश होते हैं, जो आपके हर लुक को परफेक्ट बनाने के लिए काफी हैं। इससे पहनने पर हाथों को एक रॉयल और पारंपरिक लुक मिलता है।

कश्मीरी चुड़ियां भी कर रहीं ट्रेंड

कश्मीरी चुड़ियां अपने खूबसूरत रंगों और नक्काशीदार डिजाइन के लिए जानी जाती हैं। ईद के मौके पर इन्हें पहनने से आपका एथनिक लुक और भी ज्यादा आकर्षक लग सकता है। आप अपने आउटफिट के रंग से मैच करती हुई चुड़ियां चुनकर अपने लुक को और बेहतर बना सकती हैं। सोशल मीडिया पर भी ये चूड़ियां खूब वायरल हैं।

कश्मीरी इयररिंग्स चुनें

ईद के ट्रेडिशनल लुक में झुमकों की खास जगह होती है बड़े और खूबसूरत झुमके किसी भी सिंपल ड्रेस को भी स्टाइलिश बना सकते हैं। अगर आपका आउटफिट ज्यादा भारी नहीं है तो स्टेटमेंट ईयररिंग्स आपके पूरे लुक का मुख्य अट्रैक्टिव बना सकते हैं। इसके लिए आप कश्मीरी इयररिंगस को चुन सकती हैं। ये काफी लंबे होते हैं, जिनमें घुंघरू लगे होते हैं। आपको ये अब किसी भी मार्केट में मिल जाएंगे।

घुंघरू वाले कंगन भी वायरल

कश्मीरी चूड़ियों के साथ घुंघरू वाले कंगन भी काफी वायरल हो रहे हैं। ये आपकी सिंपल से सिंपल चूड़ी को खूबसूरत बनाने का काम करते हैं। मार्केट में घुंघरू वाले कंगन सिल्वर और गोल्डन कलर में मिल रहे हैं। हर उम्र की महिलाएं इन कंगन को पहन सकती हैं। हर तरह के ट्रेडिशनल आउटफिट पर ये कमाल के लगेंगे।

पोटली बैग करें कैरी

ईद के पारंपरिक आउटफिट के साथ पोटली बैग बहुत अच्छा लगता है। यह न सिर्फ स्टाइलिश होता है बल्कि इसमें जरूरी छोटी चीजें भी आसानी से रखी जा सकती हैं। खूबसूरत कढ़ाई या मिरर वर्क वाला पोटली बैग आपके पूरे लुक को और भी एलिगेंट बना देता है। इस ईद पर अपने लुक को परफेक्ट बनाने के लिए मैचिंग पोटली बैग जरूर कैरी करें।

कान का मेल चुटकियों में होगा साफ, रात को सोने से पहले डाल लें ये एक चीज

कान की साफ-सफाई हमारे डेली लाइफ का एक अहम हिस्सा है। जैसे हम रोज नहाते हैं, फेस वॉश करते हैं और दांत करते हैं। वैसे ही कान की सफाई भी रोज करनी चाहिए। लेकिन अक्सर लोग इस पर उतना ध्यान नहीं देते। ऐसे में धीरे-धीरे करके कान में मेल जमा होने लगता है। थोड़ा मेल होना आम हो सकता है। लेकिन जब यह मेल जरूरत से ज्यादा जमा हो जाता है, तो इससे कान में भारीपन, खुजली, सुनने में परेशानी या असहजता जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। कई लोग कान साफ करने के लिए कॉटन बड्स या नुकीली चीजों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ऐसा करना कई बार नुकसानदायक भी हो सकता है।

इससे कान के अंदरूनी हिस्से को चोट लगने का खतरा रहता है और कई बार मेल और ज्यादा अंदर चला जाता है। इसलिए कान की सफाई के लिए सुरक्षित और आसान तरीकों को अपनाना ज्यादा बेहतर माना जाता है। अगर आप भी कान के मेल को बिना किसी ज्यादा झंझट के साफ करना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जो मिनटों में कान को कर देंगे साफ। ट

बेकिंग सोडा का कर सकते हैं यूज

हेल्थलाइन के मुताबिक, कान की गंदगी साफ करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले आपको गुनगुने पानी में चुटकी भर बेकिंग सोडा मिलाना है। इसके बाद इसे ड्रॉपर बोतल में भर दें। अब एक साइड लेटें और ड्रॉपर की मदद से 5 से 10 बूंदे एक -एक करके कान में डालें। 1 घंटे तक ऐसे ही कान को छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें। ध्यान रहे इसका इस्तेमाल लगातार नहीं करना है।

गुनगुना सरसों या नारियल तेल डालें

कान का मेल नरम करने के लिए गुनगुना सरसों या नारियल तेल काफी मददगार माना जाता है। रात को सोने से पहले ड्रॉपर की मदद से कान में 2 से 3 बूंद तेल डालें और कुछ देर के लिए उसी तरफ लेट जाएं। इससे कान का जमा हुआ मेल धीरे-धीरे नरम हो जाता है और बाद में इसे साफ करना आसान हो जाता है।

ग्लिसरीन का इस्तेमाल करें

ग्लिसरीन भी कान के मेल को ढीला करने में सहायक हो सकती है। रात में सोने से पहले कान में 2 से 3 बूंद ग्लिसरीन डालने से मेल नरम हो जाता है। इससे कुछ समय बाद कान की सफाई करना आसान हो सकता है और कान में सूखापन या खुजली की समस्या भी कम हो सकती है।

गुनगुने पानी से सफाई करें

अगर कान में ज्यादा मेल जमा हो गया है तो गुनगुने पानी की मदद से भी इसे साफ किया जा सकता है। इसके लिए ड्रॉपर या सिरिंज में हल्का गुनगुना पानी लेकर धीरे-धीरे कान में डालें और फिर सिर को झुका लें ताकि पानी बाहर निकल जाए। इससे नरम हुआ मेल भी बाहर आ सकता है।

कहीं भूतिया तो कहीं जेल...भारत के 5 थीम रेस्टोरेंट हैं सबसे अलग

आजकल लोग सिर्फ स्वादिष्ट खाना ही नहीं, बल्कि यादगार अनुभव भी चाहते हैं। इसी बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए भारत में कई ऐसे थीम रेस्टोरेंट बनाए गए हैं, जो अपनी अनोखी सजावट, अलग कॉन्सेप्ट और खास मेन्यू की वजह से चर्चा में रहते हैं। चलिए जानते हैं ऐसे ही 5 थीम कैफे के बारे में।

'ब्लैक

खाने-पीने की दुनिया अब सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि डाइनिंग का एक अनोखा एक्सपीरियंस बनाने की होड़ भी शुरू हो चुकी है। यही वजह है कि देश के कई शहरों में ऐसे थीम रेस्टोरेंट बन रहे हैं, जहां सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि माहौल, सजावट और कॉन्सेप्ट भी लोगों को अपनी ओर अट्रैक्ट कर देते हैं। कहीं रेस्टोरेंट को भूतिया हवेली की तरह सजाया गया है, जहां हल्की रोशनी, डरावनी आवाजें और रहस्यमयी माहौल आपको किसी हॉरर फिल्म सेट जैसा फील देते हैं। तो कहीं जेल थीम पर बने रेस्टोरेंट में ग्राहक कैदियों की तरह बैठकर खाना खाते हैं और वेटर जेलर की वर्दी में खाना परोसते नजर आते हैं।

यही कारण है कि ये रेस्टोरेंट सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हो चुके हैं। लोग यहां सिर्फ खाना खाने ही नहीं बल्कि फोटो और वीडियो बनाने के लिए भी जाते हैं। अगर आप भी खाने के साथ कुछ अलग एक्सपीरियंस करना चाहते हैं तो ऐसे थीम रेस्टोरेंट आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताते हैं देश के ऐसे ही 5 थीम रेस्टोरेंट के बारे में जहां एक बार जाना तो बनता है। यहां का खाना और वाइब आपको एक अलग ही एक्सपीरियंस देगी।

पर्ल' (बैंगलुरू)

ये रेस्टोरेंट समुद्री डाकू की थीम पर बनाया गया है। यही वजह है कि इसका नाम भी पॉपुलर फिल्म Pirates of the Caribbean के जहाज़ से प्रेरित है। बैंगलुरू का ये पॉपुलर रेस्टोरेंट के अंदर का इंटीरियर जहाज़, रस्सियां, लकड़ी के डेक और समुद्री माहौल जैसा बनाया गया है। यहां बुफे सिस्टम और अलग-अलग तरह के इंटरनेशनल और भारतीय व्यंजन मिलते हैं। खास बात तो ये है कि यहां स्टाफ भी कई बार पायरेट स्टाइल कॉस्ट्यूम में दिखाई देते हैं। यहां आकर आपको ऐसा लगेगा जैसे सच में किसी जहाज पर पहुंच गए हों। 2 लोगों के लिए यहां की कोस्ट 15,00 से 18,00 रुपये तक हो सकती है।

गुफा रेस्टोरेंट (बैंगलुरू)

गुफा रेस्टोरेंट भी बैंगलुरू में स्थित एक पॉपुलर रेस्टोरेंट हैं। ये गुफा थीम पर आधारित है। पूरा इंटीरियर पत्थरों और गुफा जैसा ही बनाया गया है। अंदर आर्टिफिशियल झरने, जानवरों की मूर्तियां और मंद रोशनी होती है। यहां आपको नॉर्थ इंडियन और मुगलई खाना मिलता है। टूरिस्ट के लिए यहां बैठकर खाना खाना एक अलग ही एक्सपीरियंस देता है। यहां आप 2,000 रुपये में 2 लोग आराम से खाना खा सकते हैं।

टेस्ट सिनेमाज (दिल्ली-एनसीआर)

यह सिनेमा और मूवी थीम वाला कैफ़े है, जो गुरुग्राम सेक्टर 31 में स्थित है। यहां आपको फिल्म पोस्टर और फिल्मी सजावट देखने को मिलेगी। कई जगह बैठने की व्यवस्था थिएटर सीट जैसी बनाई गई है। यहां फास्ट फूड, स्नैक्स और कॉन्टिनेंटल डिश का लुत्फ उठा सकते हैं। सिनेमा लवर्स और यंगस्टर को ये जगह काफी पसंद आती है। यहां की वाइब ही अलग है, जिसे एक बार तो आपको एक्सपीरियंस करना ही चाहिए। हालांकि, बता दें कि ये रेस्टोरेंट थोड़ा महंगा है। यहां आपको जो भी स्क्रीन पर देखना होता है उसके हिसाब से बिल बनता है। अंदाजन बताएं तो कोस्ट 4, 000 रुपये से ज्यादा आ सकती है।

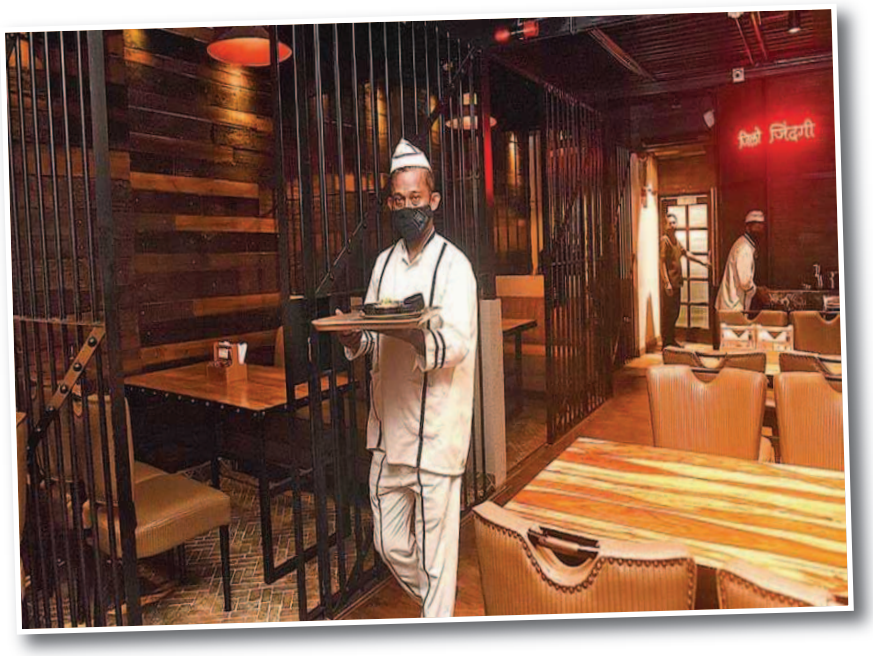

कैदी किचन (चैन्नई)

कैदी किचन चैन्नई में स्थित एक काफी पॉपुलर रेस्टोरेंट है, जो जेल की थीम पर बनाया गया है। यहां आने वाले ग्राहकों को कैदी जैसा माहौल दिखाया जाता है। स्टाफ पुलिस या जेलर की वर्दी में होते हैं। टेबल और बैठने की जगह जेल की कोठरी जैसी होती है।आप यहां इंडियन और चाइनीज फूड एंजॉय कर सकते हैं। जेल वाली थीम काफी इंट्रेस्टिंग है, जेल की सलाखें, पुलिस ड्रेस में स्टाफ और कैदी जैसी सजावट इस जगह को बेहद अनोखा बनाती है। 2 लोगों की कोस्ट भी सिर्फ 12,00 से 16,00 रुपये है।

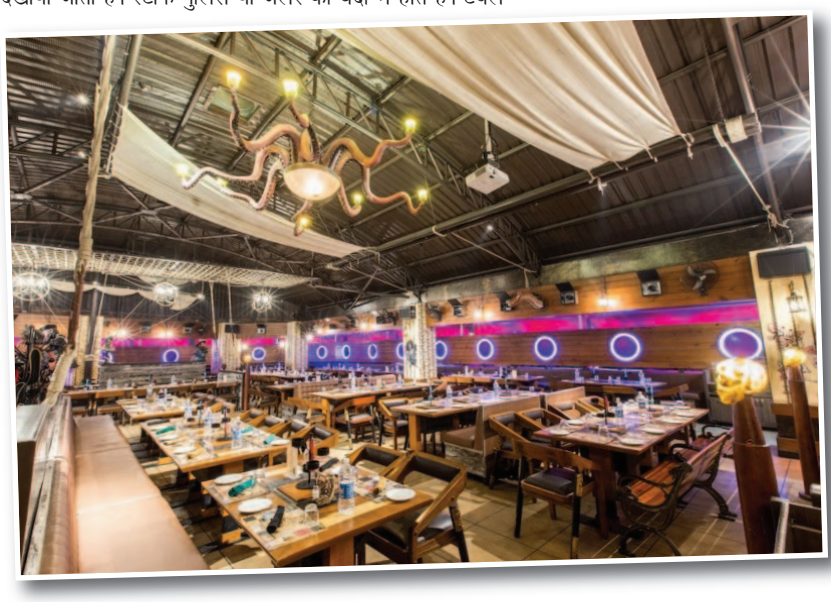

इग्लू कैफे (गुलमर्ग)

गुलमर्ग में इग्लू कैफे को एक्सप्लोर करना न भूलें। ये आपको बेहद शानदार एक्सपीरियंस देगा। यह बर्फ से बना इग्लू (Igloo) कैफ़े है। इसे पूरी तरह बर्फ और बर्फ के ब्लॉक्स से बनाया गया है। सर्दियों में तो यहां बैठकर खाने का लुत्फ उठाना एक अलग ही फील देता है। यहां आपको काहवा, कश्मीरी खाना और स्नैक्स मिल जाएंगे। इग्लू के अंदर बैठकर गर्म कॉफी या चाय पीते हुए चारों ओर बर्फ की दीवारें देखने का अनुभव बहुत खास होता है। यहां 1 घंटे बैठने का चार्ज 1,000 रुपये है, जिसमें कुछ स्नैक्स और चाय-कॉफी सर्व की जाती है। अगर आप कुछ और एड करते हैं तो उसके लिए अलग से चार्ज देना होता है। इसके बाद भी आप करीब 2,000 रुपये में आराम से फूड एंजॉय कर सकते हैं।

दिसंबर के फ्लाइट संकट के बाद इंडिगो में बड़ा बदलाव, सीईओ पीटर एल्बर्स ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। मिली जानकारी के अनुसार, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इंडिगो को संचालित करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के अनुसार, यह फैसला पिछले साल दिसंबर में आए एयरलाइन के सबसे बड़े फ्लाइट संकट के कुछ महीनों बाद लिया गया है। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि इंटरग्लोब एविएशन के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया फिलहाल अंतरिम तौर पर एयरलाइन के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि पीटर एल्बर्स तत्काल प्रभाव से इंडिगो के सीईओ पद से हट रहे हैं। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने संगठन में उनके योगदान और सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कंपनी ने यह भी बताया कि राहुल भाटिया तब तक एयरलाइन के कामकाज की जिम्मेदारी संभालेंगे, जब तक कंपनी नए नेतृत्व की घोषणा नहीं कर देती। उम्मीद है कि जल्द ही नए सीईओ का ऐलान किया जाएगा। बोर्ड के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कहा कि राहुल भाटिया का दोबारा प्रबंधन संभालना कंपनी की कार्य संस्कृति को मजबूत करने, संचालन में उत्कृष्टता बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। राहुल भाटिया ने कहा कि उन्होंने 22 साल पहले इंडिगो की स्थापना की थी और इसे आगे बढ़ाया है, इसलिए एयरलाइन, देश, ग्राहकों, कर्मचारियों और निवेशकों के प्रति उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है।

करीब तीन साल पहले इंडिगो के सीईओ बने पीटर एल्बर्स के कार्यकाल में एयरलाइन ने तेजी से विस्तार किया। उनके नेतृत्व में कंपनी की आमदनी 10 अरब डॉलर से अधिक हो गई और एयरलाइन का फ्लीट बढ़कर 440 से ज्यादा विमानों तक पहुंच गया। इसी दौरान इंडिगो ने एयरबस के साथ ए320 फैमिली के 500 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर भी दिया, जिसे विमानन इतिहास के सबसे बड़े ऑर्डर में से एक माना जाता है। हालांकि इन उपलब्धियों के बावजूद, दिसंबर 2025 में आए बड़े परिचालन संकट ने उनके कार्यकाल को प्रभावित किया। यह संकट तब पैदा हुआ, जब एयरलाइन को पायलटों की थकान रोकने के लिए बनाए गए नए नियमों को लागू करने में दिक्कतें आईं।

3 से 5 दिसंबर के बीच इंडिगो ने 2,500 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि करीब 1,900 उड़ानों में देरी हुई। इससे देश भर में 3 लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत पर सुपरएक्टिव हुई सरकार, 6 बड़े कदमों का ऐलान

केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए गैस की किल्लत को रोकने के कड़े कदम उठाएपेट्रोलियम मंत्रालय ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में समस्या के लिए एक विशेष समिति गठित की हैएलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और पैनिक बुकिंग रोकने के लिए सिलेंडर बुकिंग के अंतराल को बढ़ाकर 25 दिन किया गया

गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर आ रही खबरों के बाद केंद्र सरकार सुपरएक्टिव हो गई है। सरकार ने घरेलू गैस उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के साथ कई कड़े कदम उठाए हैं, जिससे राहत मिल सकती है। मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार ने कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं और एस्मा लागू कर दिया है। सरकार ने आम एलपीजी सिलेंडर धारकों से कहा है कि वो घबराएं नहीं और सभी को पर्याप्त गैस आपूर्ति के लिए ठोस इंतजाम किए गए हैं। कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर सुचारू बनाए रखने के लिए होटल-रेस्तरां एसोसिएशन और अन्य पक्षधारकों से बात की जा रही है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की किल्लत

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की अचानक किल्लत होने से होटल और रेस्तरां उद्योग में चिंता बढ़ गई है। इसके बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के लिए एक समिति गठित की है। ये समिति शहरों में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कमी की शिकायतों की समीक्षा करेगी। होटल- रेस्तरां की वास्तविक जरूरतों के अनुसार गैस मुहैया कराई जाएगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, आपूर्ति में कोई दिक्कत नहीं है। परिवारों की सभी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं।

नीला सिलेंडर भी मिलेगा

फिलहाल इंडस्ट्री और कमर्शियल उपभोक्ताओं को एलपीजी की सप्लाई सीमित है। होटल और रेस्तरां में 14.2 किलो के लाल सिलेंडर की जगह 19 किलो का नीला सिलेंडर लगता है। बेंगलुरु जैसे कई शहरों में होटल-रेस्तरां मालिक इन सिलेंडरों की कमी से प्रभावित हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि घरेलू परिवारों के अलावा होटल-रेस्तरां को भी बिना रुकावट गैस मिले, इस पर समिति निगरानी करेगी।

एलपीजी संकट के बीच भागे इंडक्शन चूल्हा बनाने वाली कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में तनाव के चलते एलपीजी की कमी की रिपोर्ट्स के बाद देश में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में तेजी देखी जा रही है और इससे बुधवार को होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर में तेजी देखी गई। बटरफ्लाई गांधीमथी अप्लायंसेज के शेयर इंट्राडे में दोपहर 12:45 पर 7.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 651 रुपए पर था। दिन के दौरान शेयर ने 660 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। टीटीके प्रेस्टीज का शेयर 9.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 530 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में इसने 556 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

पिजन नाम में प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी स्टोव क्राफ्ट का शेयर 5.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 510 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर ने 525 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। दूसरी तरफ, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि एलपीजी संकट के देखते हुए शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। सीईईडब्ल्यू के फेलो अभिषेक कार ने कहा कि भारत अपनी एलपीजी का लगभग दो-तिहाई हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक पश्चिम एशियाई देशों जैसे यूएई, कतर और सऊदी अरब से आता है। कर ने सुझाव दिया, घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने हेतु आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करना पहला, लेकिन एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार को अब एलपीजी सब्सिडी के लिए चलाए गए गिव इट अप अभियान की तर्ज पर एलपीजी उपयोग पर एक नया गिव इट अप अभियान शुरू करना चाहिए, जो उन परिवारों को टारगेट करे जिनके पास इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव हैं या जो इसे वहन कर सकते हैं। इससे घरेलू एलपीजी की मांग पर दबाव कम होगा।

उन्होंने कहा कि शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने मंगलवार को अपने सदस्यों से एलपीजी की खपत कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे मेनू पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें कम गैस की खपत हो या खाना पकाने में कम समय लगे। साथ ही, जहां संभव हो, खाना पकाने के लिए इलेक्ट्रिक उपकरणों के विकल्प पर भी विचार करें।

ईरान का ओमान पर बड़ा हमला: सलालाह पोर्ट पर ड्रोन से तेल टैंकरों को बनाया निशाना

मस्कट, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे युद्ध के बीच ईरान ने अब ओमान के सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन से हमला किया है। इस हमले में तेल के स्टोरेज टैंकों को निशाना बनाया गया है। इस घटना ने क्षेत्र में एक नया संकट पैदा कर दिया है, क्योंकि ओमान अब तक इस युद्ध में एक तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा था।

अल जजीरा और ओमान टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन हमलों ने सलालाह बंदरगाह पर स्थित तेल टैंकों को काफी नुकसान पहुंचाया है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि राहत की बात यह है कि इस हमले में किसी भी व्यापारिक जहाज को नुकसान नहीं पहुंचा है। यह

हमला ईरान द्वारा खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर किए जा रहे हमलों का हिस्सा माना जा रहा है।

ओमान के सुल्तान ने जताई कड़ी आपत्ति

इस हमले के बाद ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सैद ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से संपर्क किया। सुल्तान ने ओमान की धरती पर हुए इन हमलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसकी निंदा की। उन्होंने साफ किया कि ओमान युद्ध में किसी का पक्ष नहीं ले रहा है। सुल्तान ने कहा कि ओमान अपनी सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

मध्यस्थता की कोशिशों को लगा झटका

बता दें कि यह हमला उस समय हुआ जब सुल्तान हैथम ने अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता बनने पर बधाई दी थी। ओमान की न्यूज एजेंसी के मुताबिक सुल्तान ने खामेनेई के चयन पर उन्हें शुभकामना संदेश भेजा था। ओमान लंबे समय से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करता रहा है। लेकिन पिछले 11 दिनों से जारी युद्ध के कारण अब यह कोशिशें कमजोर पड़ती दिख रही हैं।

हॉर्मुज के पास जहाजों पर भी हमला

सिर्फ ओमान ही नहीं बल्कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास भी जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने जानकारी दी है कि तीन व्यापारिक जहाजों पर अज्ञात चीजों से हमला किया गया है। इस इलाके में लगातार हो रहे हमलों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई के जवाब में ईरान इन इलाकों में अपनी सक्रियता बढ़ा रहा है।

ट्रंप की ईरान को धमकी, कहा– अमेरिकी मांगों को नहीं माना तो नए सुप्रीम लीडर का होगा खात्मा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा बयान दिया है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा है कि अगर मुजतबा अमेरिकी मांगों को नहीं मानते, तो वह उनकी हत्या का समर्थन करेंगे। अमेरिका की मांग यह है कि ईरान अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे। अगर मुजतबा ने इससे इनकार किया, तो ट्रंप नए लीडर को खत्म करने के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस काम को इस्राइली सेना अंजाम दे सकती है। यह ठीक वैसा ही होगा जैसा 28 फरवरी को मुजतबा के पिता अली खामेनेई के साथ हुआ था। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि वह ईरान के इस चुनाव से बिल्कुल खुश नहीं हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि मुजतबा खामेनेई अब शांति से नहीं रह पाएंगे।

ट्रंप का मानना है कि ईरान के अगले नेता को चुनने में अमेरिका की भी राय होनी चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला में अमेरिकी दखल से की। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, दिवंगत नेता अली खामेनेई ने अपनी वसीयत में साफ लिखा था कि उनका बेटा उनका उत्तराधिकारी न बने। इसके बावजूद, ईरान की ताकतवर सेना (आईआरजीसी) ने मुजतबा को इस पद पर बैठा दिया। जानकारों का कहना है कि खुद अली खामेनेई को अपने बेटे की काबिलियत पर शक था। 56 साल के मुजतबा ने इस पद से पहले कभी किसी सरकारी ओहदे पर काम नहीं किया। वह हमेशा अपने पिता के करीबी घेरे में रहकर पर्दे के पीछे से सत्ता चलाते थे। अमेरिकी दस्तावेजों में उन्हें पर्दे के पीछे की असली ताकत बताया गया है। उन पर पहले भी चुनावों में धांधली करने के आरोप लग चुके हैं। इस्राइली सेना ने भी साफ कर दिया है कि जो भी ईरानी नेता आतंकवाद को बढ़ावा देगा, वह उनके निशाने पर रहेगा।

इराक में हुए हमले में भारतीय की मौत, ईरानी सुसाइड बोट से टक्कर के बाद अमेरिकी तेल टैंकर में लगी आग

तेल अवीव, एजेंसी। इराक के खोर अल जुबैर बंदरगाह के पास बुधवार को एक अमेरिकी तेल टैंकर पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ईरान की एक सुसाइड बोट ने इस टैंकर को निशाना बनाया। यह घटना इराक की समुद्री सीमा के अंदर हुई।

जिस जहाज पर हमला हुआ, उसका नाम 'सेफसी विष्णु' है। यह अमेरिका का जहाज है और इस पर मार्शल आइलैंड्स का झंडा लगा है। हमले के समय जहाज पर कुल 28 लोग मौजूद थे। इनमें से एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि बाकी 27 कर्मियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बचाए गए सभी लोगों को इराक के बसरा शहर ले जाया गया है।

जहाज की कंपनी 'सेफसी' ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। कंपनी ने भारत सरकार से अपील की है कि वह इस हमले की कड़ी निंदा करे। उन्होंने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच समुद्र में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि दुनिया भर के जहाजों पर काम करने वाले नाविकों में 15 प्रतिशत से ज्यादा भारतीय हैं। ऐसे में किसी भी देश के जहाज पर हमला होने से भारतीयों की जान को सबसे ज्यादा खतरा रहता है।

'सेफसी विष्णु' कच्चा तेल ढोने वाला एक बड़ा टैंकर है। यह जहाज साल 2007 में बना था। इसकी लंबाई लगभग 228 मीटर और चौड़ाई 32 मीटर है। फिलहाल इस हमले के बाद क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चीन में नए कानून पर मंथन : एक राष्ट्र–एक पहचान की तैयारी में ड्रैगन? अल्पसंख्यकों की भाषा नीति पर दिखेगा असर

बीजिंग। चीन सरकार एक व्यापक 'जातीय एकता' कानून लाने की तैयारी में है, जिसे लेकर आलोचकों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों को और कमजोर कर सकता है और उन्हें मुख्यधारा में जबरन समाहित करने की नीति को मजबूत करेगा।

यह कानून देश की संसद द्वारा गुरुवार को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके तहत सभी जातीय समूहों के बीच 'समुदाय की मजबूत भावना' को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय जन कांग्रेस के प्रतिनिधि लू किनजियान ने कहा कि यह कानून 'चीनी राष्ट्र' के भीतर सभी जातीय समूहों के बीच एकता को बढ़ावा देगा। प्रस्तावित कानून के अनुसार, सभी सरकारी निकायों और निजी उद्यमों को जातीय एकता को बढ़ावा

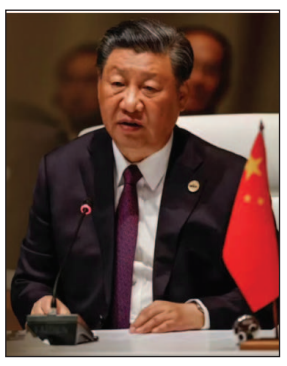

देना होगा। इसमें स्थानीय सरकारें और अखिल-चीन महिला महासंघ जैसे राज्य-संबद्ध समूह भी शामिल हैं। कानून में कहा गया है कि देश के प्रत्येक जातीय समूह के लोग, सभी संगठन, सशस्त्र बल, हर पार्टी, सामाजिक संगठन और हर कंपनी को कानून और संविधान के अनुसार 'चीनी राष्ट्र' की एक साझा चेतना बनानी होगी और इस चेतना के निर्माण की जिम्मेदारी लेनी होगी।

पहचान और भाषा पर प्रभाव

अकादमिकों और पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह नया प्रावधान जातीय अल्पसंख्यकों की पहचान के लिए एक झटका है, क्योंकि यह अनिवार्य शिक्षा में मंदारिन चीनी के उपयोग को अनिवार्य बनाता है। चीन की अधिकांश आबादी हान चीनी है और आधिकारिक भाषा मंदारिन है। देश में 55 जातीय समूह हैं, जो कुल आबादी का 8.9 प्रतिशत हैं।

संविधान के अनुसार, 'प्रत्येक जातीय समूह को अपनी भाषा का उपयोग करने और उसे विकसित करने का अधिकार है' और 'स्व-शासन का अधिकार है'। क्षेत्रीय जातीय स्वायत्तता कानून इन समूहों को सीमित स्वायत्तता का वादा करता है, जिसमें अर्थव्यवस्था विकसित करने के लिए लचीले उपाय शामिल हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवहार में नया कानून इन प्रावधानों पर हावी होगा।

ऑस्ट्रेलिया के ला ट्रोब विश्वविद्यालय में चीन की जातीय अल्पसंख्यक नीतियों पर अध्ययन करने वाले प्रोफेसर जेम्स लिबोल्ड ने कहा कि यह कानून पार्टी के 'सार्थक स्वायत्तता' के मूल वादे को समाप्त कर देगा। उन्होंने इस उपाय को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की जातीय नीतियों में 'बड़े पुनर्मूल्यांकन' का एक प्रमुख हिस्सा बताया।

देशी भाषाओं के शिक्षण में स्वायत्तता का अंत

नए कानून के अनुच्छेद 15 के अनुसार, किंडरगार्टन से लेकर हाई स्कूल तक की सभी अनिवार्य शिक्षा में मंदारिन चीनी को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाएगा। इनर मंगोलिया, तिब्बत और शिनजियांग जैसे चीनी क्षेत्रों में, जहां जातीय अल्पसंख्यकों की बड़ी आबादी है, मंदारिन पहले से ही शिक्षा का प्राथमिक माध्यम है। लेकिन नया कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि देश भर में अल्पसंख्यक भाषाएं शिक्षा का प्राथमिक माध्यम नहीं हो सकतीं। हाल के वर्षों तक, जातीय अल्पसंख्यकों को स्कूलों में शिक्षण के लिए अपनी भाषाओं का उपयोग करने में कुछ हद तक स्वायत्तता प्राप्त थी। उदाहरण के लिए, मंगोलिया की सीमा से लगे एक स्वायत्त क्षेत्र इनर मंगोलिया में, छात्र पाठ्यक्रम के बड़े हिस्से को मंगोलियाई में पढ़ सकते थे। यह स्थिति 2020 में बदल गई, जब नए छात्रों को पता चला कि उनके मंगोलियाई भाषा के पाठ्यपुस्तकों का उपयोग नहीं किया जा सकता है और उन्हें केवल चीनी पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करना होगा।

क्या फारूक अब्दुल्ला को मारना चाहती है सरकार, खरगे ने संसद में उठाया मुद्दा, नड्डा ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर कल बुधवार देर रात हुए जानलेवा हमले का मामला संसद में उठा। राज्यसभा में हमले का मामला उठाते हुए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से सुरक्षा खत्म हो रही है। ऐसे में इसे राज्य के रूप में बहाल करना चाहिए। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि क्या सरकार फारूक अब्दुल्ला को मारने चाहती है। इस पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हर बात को राजनीतिक एंगल देना सही नहीं है, मामले की जांच की जा रही है।

राज्यसभा में फारूक अब्दुल्ला पर हमले की घटना और उनकी सुरक्षा का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा, "सुरक्षा गृह मंत्रालय के अधीन आता है। क्या सरकार का इरादा फारूक को मारने का है? जो लोग सोशलिज्म को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, उन लोगों को आप खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के हाथ में कश्मीर सुरक्षित नहीं है। गंभीर बात यह है कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा खत्म होती जा रही है।

एक मिनट और होता तो...

खरगे ने कहा, "अगर एक मिनट और होता तो हमलावर फारूक को जान से मार देता, लेकिन वहां मौजूद लोकल सिक्योरिटी ने उन्हें बचा लिया। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र के गृह मंत्रालय के तहत आती है। केंद्र सरकार के हाथ में कश्मीर सुरक्षित नहीं है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि उसका राज्य का दर्जा बहाल कर दीजिए, आपके हाथ में जम्मू कश्मीर के लोग सुरक्षित नहीं हैं। कांग्रेस नेता खरगे की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री पर हुए हमले पर दुख जताते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, "कल रात जो कुछ हुआ वो बहुत ही गंभीर मामला है। भारत सरकार मामले को लेकर काफी गंभीर है। इससे जुड़ी सभी जांच पूरी की जाएगी। हमलावर के मंसूबों की भी जानकारी ली जा रही है।

राजनीतिक एंगल देना सही नहीं : नड्डा

नड्डा ने कहा कि हर बात को राजनीतिक चश्मे से देखना और राजनीतिक एंगल देना सही नहीं है। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्ज नहीं मिला इसलिए इस तरह का हमला हो गया। ये गलत बात है। उन्होंने आगे कहा, "खरगे का ये कहना है कि, सरकार का मंसूबा उनकी हत्या का है ये निंदनीय है। ऐसे मंसूबे इनके रहे हैं, श्यामा प्रसाद मुखर्जी की घटना सबको याद है।"

फिलहाल आरोपी की पहचान 63 साल कमल सिंह जामवाल के रूप में हुई है। कमल सिंह जम्मू में पुरानी मंडी के रहने वाले हैं। उसे गिरफ्तार किया जा चुका है। उसने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह पिछले 20 साल से फारूक को निशाना बनाने की ताक में था। इस बीच जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने हमले को लेकर कहा, "मैं ये सवाल आप पर छोड़ता हूं कि आप इस हमले को किस तरह लेते हैं। मैं अपने PSO का धन्यवाद देता हूं कि तत्परता दिखाने पर गोली ऊपर चली गई। उसके छर्रे मुझे भी लगे। अत्यधिक संरक्षित आदमी पर इस प्रकार का हमला हुआ है तो ये सवाल उठाता है। यह हादसा कोई छोटी बात नहीं है। हमने इसे बहुत करीब से देखा है।"

पुलिस दे जवाब, हमला क्यों हुआ : DyCM चौधरी

उन्होंने अब्दुल्ला पर हमले को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उपराज्यपाल को निष्पक्ष अधिकारियों की नियुक्ति करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस घटना में अब्दुल्ला, वह खुद और नासिर सौगामी बाल-बाल बच गए। सुरिंदर ने कहा कि यह घटना जम्मू में हुई है, कश्मीर में नहीं, इसलिए इसे आतंकी हमला भी करार नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि उनके सुरक्षाकर्मियों ने ही आरोपी को पकड़कर पुलिस स्टेशन तक पहुंचाया और अब पुलिस को इस पूरे मामले पर जवाब देना चाहिए कि यह हमला क्यों हुआ।

सुरक्षा चूक की तह तक पहुंचे पुलिस : मुफ्ती

PDP प्रमुख और J-K की एक अन्य पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने भी हमला पर चिंता जताई और कहा, "फारूक अब्दुल्ला पर हुए गंभीर हमले के बारे में सुनकर हैरान हूं। हालांकि यह जानकर राहत मिली कि वह सुरक्षित हैं और ठीक हैं। उम्मीद है कि पुलिस इस बहुत परेशान करने वाली सुरक्षा चूक की तह तक पहुंचेगी।" दूसरी ओर, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी अब्दुल्ला पर हुए हमले को लेकर चिंता जताई और मामले में पूरी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमले का समाचार सुनकर चिंतित हूं। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (JKPCC) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने का जिम्मा जिन लोगों को सौंपा गया है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

आरएन रवि ने ली पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद की शपथ

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल आरएन रवि ने गुरुवार को कोलकाता स्थित लोकभवन में 22वें राज्यपाल के रुप मं पद और गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें सॉजय पॉल ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी मौजूद रहे। लोकभवन में आयोजित समारोह तय समय के अनुसार सुबह करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुआ। शपथ ग्रहण से पहले और बाद में वंदे मातरम् और राष्ट्रीय गान जन गण मन गाया गया। शपथ लेने के बाद नए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों से मुलाकात कर औपचारिक बातचीत भी की। समारोह में राज्य के मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, विधानसभा अध्यक्ष बिमल बनर्जी तथा वाम मोर्चा अध्यक्ष बिमान बोस समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार ने आरएन रवि को राज्य का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। इससे पहले वह तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे। तमिलनाडु में अपने कार्यकाल के दौरान उनका राज्य सरकार, खासकर मुख्यमंत्री एमके स्टालीन के नेतृत्व वाली सरकार के साथ कई मुद्दों पर टकराव भी सुर्खियों में रहा। विभिन्न विधेयकों को लेकर राज्यपाल और सरकार के बीच मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने आए थे। यहां तक कि राज्य सरकार ने राष्ट्रपति से राज्यपाल को हटाने की मांग भी की थी।

इधर, सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही सवाल उठाए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा था कि राज्यपाल के इस्तीफे की खबर से वह स्तब्ध और चिंतित हैं। साथ ही उन्होंने आशंका जताई थी कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले यदि किसी राजनीतिक दबाव के कारण यह निर्णय लिया गया है तो यह चिंताजनक होगा। अब आरएन रवि के राज्यपाल पद संभालने के बाद राज्य की राजनीति में आगे के समीकरणों पर भी नजरें टिकी रहेंगी।

मां के निधन के बाद टिस्का चोपड़ा ने लिखा भावुक नोट, विरासत में मिली खास चीज, मुश्किल वक्त के लिए था ये फलसफा

टिस्का चोपड़ा के यहां इन दिनों मातम पसरा है। उनकी मां का निधन हो गया है। वह कैंसर से पीड़ित थीं। मां के निधन ने बाद टिस्का ने उन्हें याद किया है।

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा की मां, पम्मी अरोड़ा का 7 मार्च को निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थीं। बुधवार को, टिस्का ने अपनी मां को याद करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने उनके साथ कई तस्वीरें भी शेयर की हैं। अभिनेत्री ने अपनी मां को अलविदा कहा है।

मां के पास था फलसफा

इंस्टाग्राम पर पोस्ट में टिस्का चोपड़ा ने लिखा '7 मार्च को, हमने अपनी मां, पम्मी अरोड़ा को अलविदा कहा। जो लोग उन्हें जानते थे, वे उनसे प्यार करते थे। इसकी वजह बहुत सरल थी, उनका स्वभाव बहुत ही हल्का-फुल्का था। उनकी संगति में गंभीरता की कोई गुंजाइश नहीं होती थी। अगर कोई समस्या आती थी, तो उनके पास दो शब्दों का एक फलसफा तैयार रहता थाः 'मिट्टी पाओ।' यानी उस पर मिट्टी डालो। आगे बढ़ो।'

मजाक मस्ती करती थीं पम्मी

उन्होंने आगे लिखा 'मां की मुस्कान बादलों के बीच से झांकते चांद जैसी थी। उनके मन में कोई भी बात ज्यादा देर तक नहीं टिकती थी। वह हमेशा किसी पर राय देने के बजाय मजाक-मस्ती को ज्यादा अहमियत देती थीं। सब चीजों से ऊपर वे दयालुता को रखती थीं।'

पम्मी ने दी खास चीज

उन्होंने आगे लिखा 'उनसे मैंने जिंदगी का एक सबसे उपयोगी सबक सीखा, जो मुझे किसी और ने कभी नहीं सिखायाः तुम्हारे पास पहले से ही अपनी जेब में एक 'ना' मौजूद है। अब बाहर जाओ और एक 'हां' हासिल करो। यह पम्मी अरोड़ा का अपना ही अंदाज था। उन्होंने मुझे एक और चीज दी जिसने मेरी पूरी जिंदगी को आकार दिया। वह था कलात्मक जीन। अभिनय करने की, कहानियां सुनाने की और नीरस दिनचर्या के बजाय रंगों और भावनाओं की ओर झुकने की सहज प्रवृत्ति।'

टिस्का चोपड़ा का वर्कफ्रंट

टिस्का चोपड़ा एक बहुमुखी भारतीय अभिनेत्री, लेखिका और निर्देशक हैं। उन्होंने फिल्म 'तारे जमीन पर' (2007) में माया अवस्थी के रूप में शानदार प्रदर्शन से पहचान बनाई। इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर नामांकन मिला। वे 'चटनी' और 'रुबरू' जैसी लघु फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं।

सोहम शाह की तुम्बाड 2 में तहलका मचाएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

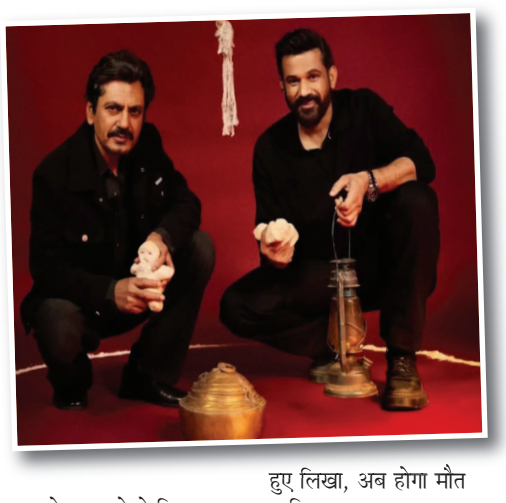

सोहम शाह की आगामी फिल्म तुम्बाड 2 के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पहले खबर आई थी कि फिल्म के दृश्य पैमाने को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय कलाकारों को शामिल करने की योजना बनाई है। अब सोहम ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है जिसके बाद से लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं है। दरअसल, फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी आधिकारिक तौर पर शामिल हो गए हैं।

तुम्बाड की दुनिया को विस्तृत और दिलचस्प बनाने के लिए निर्माताओं ने यह कदम उठाया है। बताया जाता है कि सीक्वल में नवाजुद्दीन का बहुत महत्वपूर्ण किरदार होने वाला है। इस पर बात करते हुए सोहम ने कहा, नवाज सर को तुम्बाड 2 में लाना हमारे लिए बहुत उत्साहित करने वाली बात है। वो ऐसे अभिनेता हैं जो हर किरदार में गजब की शिद्दत और असलियत लाते हैं। उधर नवाजुद्दीन ने भी तुम्बाड का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की।

तुम्बाड 2 की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इस बीच, सीक्वल में नवाजुद्दीन के शामिल होने की खबर ने फैंस को काफी उत्साहित कर दिया है। एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, अब होगा मौत का खेल। दूसरे ने लिखा, बाप का...विनायक दादा का...सबका बदला लेगा रे तेरा पांडुरंग। बता दें, फिल्म को तुम्बाड 2 को सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसमें पेन स्टूडियोज की साझेदारी भी शामिल है।

गोपीचंद की 33वीं फिल्म में हुई अभिनेत्री ऋतु वर्मा की एंट्री, नया पोस्टर भी जारी, निभाएंगी सत्यवती का किरदार

तेलुगु फिल्मों में अपनी एक्शन भूमिकाओं से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता गोपिचंद जल्द ही अपनी 33वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मुख्य अभिनेत्री के बारे में जानकारी दी गई है।

अभिनेत्री ऋतु वर्मा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यही वजह है कि आज निर्माताओं ने उनकी आगामी फिल्म से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को सरप्राइज कर दिया है। अब आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि ऋतु वर्मा अभिनेता गोपीचंद की 33वीं फिल्म का हिस्सा हैं।

निर्माताओं ने आज फिल्म का एक खास पोस्टर जारी किया है। जिसमें ऋतु वर्मा धनुष से किसी पर निशाना साधते नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा,अचूक निशाना। दमदार उपस्थिति। इसके साथ ही निर्माताओं ने ऋतु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी कि इस फिल्म में ऋतु सत्यावती का किरदार निभाएंगी।

सत्यवती नाम की एक आदिवासी लड़की की भूमिका में ऋतु को लुक काफी दमदार दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर से पता चल रहा है कि इस फिल्म में उनका किरदार दमदार और प्रभावशाली होगा। गोपीचंद 33 एक बड़ी बजट की तेलुगु ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संकल्प रेड्डी कर रहे हैं। यह फिल्म 7वीं शताब्दी की एक कम ज्ञात ऐतिहासिक घटना पर आधारित है, जिसमें गोपीचंद एक योद्धा की भूमिका में नजर आएंगे। श्रीनिवासा सिल्वर स्क्रीन बैनर के तहत बन रही इस फिल्म का पहला शेड्यूल कश्मीर में पूरा हो चुका है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com